राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 27 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-35 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में नौकरानी ने मालिक के घर फर्जी रेड कराई

■ 3 लोग ईडी अफसर बनकर गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में एक नौकरानी ने अपने मालिक के घर पर फर्जी प्रवर्तन निदेशालय (ED) रेड कराई। मामला 11 फरवरी का है। 25 फरवरी को पुलिस ने रेखा देवी नाम की नौकरानी और उसकी भाभी पूजा राजपूत को पूरी साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 11 फरवरी को पुलिस की वर्दी पहने तीन लोग एऊ अफसर बनकर 86 साल के रिटायर्ड आर्किटेक्ट आरसी सभरवाल के घर में जबरन घुस गए। आरोपियों ने परिवार को धमकाया और तलाशी के दौरान मोबाइल फोन जब्त कर लिए। सभरवाल के पोते को शक हुआ तो उसने पूछताछ शुरू कर दी। इसके बाद तीनों आरोपी लगभग 3-4 लाख रुपये कैश, सात महंगी घड़ियां और गहने लेकर कार में फरार हो गए। पुलिस ने 24 फरवरी को मामला दर्ज करने के बाद इसकी जांच शुरू की थी। पुलिस ने 350 से अधिक CCTV कैमरों के फुटेज को खंगाला। अंत में एक ब्लू रंग की मारुति सुजुकी बलेनो पर शक हुआ। पुलिस ने घटनास्थल से कार की आवाजाही का पता लगाया तो पता चला कि कार सराय काले खान से होते हुए गाजीपुर बॉर्डर से उत्तर प्रदेश में दाखिल हुई थी। इसके बाद कार गाजियाबाद के वैशाली में एक घर के पास खड़ी देखी गई।

दिल्ली हाईकोर्ट का सैनिकों के हक में फैसला

■ सैन्य सेवा हर परिस्थिति में तनावपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि सशस्त्र बलों के कर्मियों की दिव्यांगता पेंशन को सिर्फ यह कहकर नहीं रोका जा सकता कि बीमारी लाइफस्टाइल डिसऑर्डर है या वह पीस एरिया में तैनाती के दौरान हुई। हाई कोर्ट ने कहा कि गैर-ऑपरेशनल क्षेत्रों में भी सैन्य सेवा तनावपूर्ण होती है और इससे गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। बता दें कि सेना में ह्यपीस पोस्टिंगह्न का मतलब है कि सैनिक या अधिकारी की पोस्टिंग बॉर्डर पर नहीं बल्कि शांत और सुरक्षित शहरों या छावनियों में होती है। जस्टिस वी. कामेश्वर राव और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (AFT) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी की दिव्यांग पेंशन याचिका खारिज कर दी गई थी।

वॉट्सएप 1 मार्च से सिम कार्ड के बिना नहीं चलेगा

सरकार ने डेडलाइन बढ़ाने से मना किया, कंप्यूटर पर हर 6 घंटे में लॉगआउट होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को साफ कर दिया है कि 'सिम बाइंडिंग' के नियमों को लागू करने की 28 फरवरी की डेडलाइन नहीं बढ़ाई जाएगी। नए नियमों के तहत मोबाइल में सिम कार्ड न होने पर वॉट्सएप, टेलीग्राम, सिग्नल, स्नैपचैट, शेयरचैट, जियोचैट, अराटाई और जोश जैसे मैसेजिंग एप काम नहीं करेंगे। कंप्यूटर पर लॉगिन वॉट्सएप भी 6 घंटे में लॉगआउट हो जाएगा। सरकार का दावा है कि इससे साइबर धोखेबाजों का पता लगाने में मदद मिलेगी। सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस 'स्टारलिंक' के बारे में सिंधिया ने बताया कि कंपनी ने अभी तक सरकारी सुरक्षा एजेंसियों के सामने जरूरी डेमो पूरे नहीं किए हैं। कंपनी को यह दिखाना होगा कि वह भारतीय सीमाओं के बाहर इंटरनेट एक्सेस बंद कर सकती है। जरूरत पड़ने पर नेटवर्क पर कंट्रोल दे सकती है।

सवाल. क्या है सिम बाइंडिंग?

जवाब. सिम बाइंडिंग एक सुरक्षा कवच है। यह आपके मैसेजिंग एप को आपके फिजिकल सिम कार्ड के साथ 'लॉक' कर देता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि कोई भी हैकर या ठग आपके नंबर का इस्तेमाल किसी दूसरे डिवाइस पर बैठकर नहीं कर पाएगा।

सवाल. सिम बाइंडिंग का नया नियम कब से लागू होगा?

जवाब. जब आप किसी एप को सिम बाइंडिंग से जोड़ते हैं, तो वह एप तभी खुलेगा जब आपका रजिस्टर्ड सिम कार्ड उसी फोन के अंदर मौजूद होगा। यह नियम 1 मार्च 2026 से प्रभावी होगा।

बीएसएनएल अफसर का मामला

हाल ही में BSNL डायरेक्टर विवेक बंजल के प्रयागराज दौरे का एक सरकारी आदेश वायरल हुआ था। इसमें उनकी सेवा के लिए करीब 50 कर्मचारियों का इंतजाम करने को कहा गया था।
सिंधिया ने कहा कि इस मामले में 'कारण बताओ' नोटिस जारी कर दिया गया है। 21वीं सदी के भारत में ऐसा आदेश जारी होना कतई मंजूर नहीं है। हम इसे ऐसे ही नहीं जाने देंगे। विवादों के बीच मंत्री सिंधिया ने ये भी बताया कि सरकारी टेलीकॉम कंपनी इरठछ फिलहाल आर्थिक रूप से बेहतर कर रही है और कंपनी "हेल्दी कैश फ्लो" जेनरेट कर रही है।

सवाल. 1 मार्च से यूजर्स को क्या करना होगा?

जवाब. यूजर्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका वॉट्सएप जिस नंबर पर है, वह सिम उसी फोन में लगा हो। अगर सिम कार्ड फोन से बाहर निकाला तो मैसेजिंग एप काम करना बंद कर सकता है।

इजराइल में भारतीय यूपीआई चलेगा, मोदी-नेतन्याहू की बैठक में समझौता

मोदी बोले: जल्द फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेंगे, इजराइल आना मेरे लिए गर्व की बात

तेल अवीव/नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल दौरे का आज आखिरी दिन हैं। मोदी दौरे के दूसरे दिन सबसे पहले यरूशलम के होलोकॉस्ट मेमोरियल ह्ययाद वाशेमह्न पहुंचे। यहां उन्होंने हिटलर के नाजी शासन में मारे गए 60 लाख यहूदियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। इस दौरान इसाक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है, जो पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। वहीं, पीएम मोदी ने इजराइली राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दिया। फिर पीएम मोदी और इजराइली पीएम नेतन्याहू ने द्विपक्षीय मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान बताया गया है कि इजराइल में भी अब भारत का वढक पेमेंट सिस्टम चलेगा। ढट मोदी ने कहा कि भारत जल्द इजराइल के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) करेगा। मोदी बुधवार को इजराइल पहुंचे थे। नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया था। इसके बाद पीएम मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को भी संबोधित किया। उन्हें संसद का सर्वोच्च सम्मान स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल दिया गया। मोदी नेसेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। इजराइल में स्वागत पर- मोदी ने इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और वहां की जनता का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए धन्यवाद दिया। नेसेट (इजराइली संसद) से मिले सम्मान को उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों और भारत-इजराइल दोस्ती को समर्पित किया। भारत-इजराइल रिश्ते और मजबूत होंगे- दोनों देशों के रिश्ते भरोसे, लोकतंत्र और इंसानी मूल्यों पर बने हैं। अब इस रिश्ते को स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप का दर्जा देने का फैसला हुआ है। यह दोनों देशों के लोगों की उम्मीदों को दशार्ता है। व्यापार और टेक्नोलॉजी में सहयोग- दोनों देश व्यापार और निवेश बढ़ाने पर काम कर रहे हैं।

'मोदी इजराइली संसद का सम्मान पाने वाले पहले शख्स'

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि भारत-इजराइल संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए पीएम मोदी को इजराइली संसद का सम्मान मिला। स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल पाने वाले पीएम मोदी पहले शख्स हैं। मिस्री ने बताया कि आज सुबह पीएम मोदी ने यद वाशेम, वर्ल्ड होलोकॉस्ट रिमेम्ब्रेंस सेंटर में होलोकॉस्ट पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग से मुलाकात की और राष्ट्रपति भवन परिसर में एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत ओक का पौधा लगाया। पीएम मोदी और पीएम नेतन्याहू के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में दोनों देशों ने विज्ञान, तकनीक, नवाचार, साइबर सिक्योरिटी, कृषि, जल प्रबंधन, रक्षा, व्यापार और लोगों के बीच संपर्क समेत कई क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई।

सांसद संबित पात्रा ने नेहरू को 'कंप्रोमाइज्ड चाचा' बताया

■ कहा: उनकी सरकार में विदेशी एजेंसियों का प्रभाव था

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का कंप्रोमाइज्ड चाचा बताया। पात्रा ने कहा कि मैं बताता हूं कि असली समझौता किसने किया। इस सिलसिले में नेहरू का नाम सबसे पहले आता है। पात्रा ने कहा कि नेहरू के निजी सचिव रहे एम.ओ. माथाई को लेकर कहा जाता था कि वे अमेरिकी एजेंट थे। 1960 के दशक में सोवियत खुफिया एजेंसी केजीबी के एजेंट प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंच रखते थे। पात्रा बोले- उस दौर में यह चर्चा आम थी कि विदेशी एजेंसियों को जो भी संवेदनशील दस्तावेज चाहिए होते थे, वे आसानी से मिल जाते थे। संबित पात्रा ने दिल्ली में प्रेस कॉफ्रेंस में ये बातें कहीं। उन्होंने ये भी कहा कि अकसमिट को बदनाम करने के लिए कांग्रेस ने इन्फ्लुएंसर्स को पैसे के ऑफर्स दिए। 1958 में ओमान के सुल्तान ने ग्वादर पोर्ट भारत को सौंपने की पेशकश की थी, लेकिन नेहरू ने उसे रिजेक्ट कर दिया। आज ग्वादर पोर्ट चीन और पाकिस्तान के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम बन चुका है। नेहरू ने विदेशी देशों को भारतीय क्षेत्र देने की चर्चा क्यों की। ऐसे फैसलों के पीछे किस तरह का दबाव या परिस्थिति थी। यह समझना जरूरी है कि क्या उस समय किसी बड़े लाभ या बाहरी प्रभाव के चलते ऐसे कदम उठाए गए। क्या इन मुद्दों पर कांग्रेस नेतृत्व को जवाब देना चाहिए। सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट और रील्स वायरल हो रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि कांग्रेस कार्यालय या वरिष्ठ नेताओं की ओर से अकइम्पैक्ट समिट के खिलाफ पोस्ट या रील बनाने पर 25 हजार रुपए से लेकर 1.5 लाख रुपए तक देने के संदेश भेजे गए हैं। ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं और स्क्रीनशॉट सार्वजनिक रूप से शेयर किए गए हैं।

राहुल बोले: यह इंडिया है, नॉर्थ कोरिया नहीं

● यूथ कांग्रेस मेंबर्स के खिलाफ एक्शन पर पीएम मोदी की आलोचना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को यूथ कांग्रेस मेंबर्स के खिलाफ एक्शन पर राहुल ने ढट मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ढट मोदी की सरकार और नॉर्थ कोरिया के तानाशाही शासन एक जैसा है। ये इंडिया है, नॉर्थ कोरिया नहीं। राहुल ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट डेमोक्रेसी की आत्मा है। यह कोई अपराध नहीं है। उन्होंने पूछा... जब आदिवासी अपने जल, जंगल, जमीन के हक के लिए खड़े हुए, तो उन पर भी शक की नजर डाली गई। यह कैसा लोकतंत्र है, जहां ढट सवालों से डरते है? जहां असहमति को कुचलना शासन का स्वभाव बनता जा रहा है? दरअसल, दिल्ली में आयोजित AI समिट के दौरान यूथ कांग्रेस मेंबर्स ने शर्ट उतार कर प्रोटेस्ट किया था। इस संबंध में दिल्ली पुलिस 3 सदस्यों को गिरफ्तार करने शिमला पहुंची थी। इसके बाद हिमाचल पुलिस ने दिल्ली पुलिस को उन्हें ले जाने से रोक लिया था। राहुल ने ये बातें गिरफ्तार तीन यूथ कांग्रेस कार्यकताओं को दिल्ली वापस लाने की इजाजत मिलने के बाद कही। सोचिए मुद्दा कोई भी हो, अगर आप सत्ता के खिलाफ संवैधानिक तरीके से आवाज उठाते हैं, तो लाठी, मुकदमा और जेल, यह लगभग तय है। पेपर लीक से त्रस्त युवाओं ने अपने भविष्य के लिए आवाज उठाई, जवाब मिला लाठियों से। देश की गौरवशाली महिला पहलवानों ने इखढ के प्रभावशाली नेता पर लगे गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की। उनकी पुकार को बदनाम किया गया, आंदोलन को कुचला गया, और उन्हें सड़कों से जबरन हटाया गया। एक बलात्कार पीड़ित

9 साल की छात्रा की हार्ट अटैक से मौत

नागौर (एजेंसी) । राजस्थान के नागौर के प्राइवेट स्कूल में 9 साल की छात्रा की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह ग्राउंड में खेलते समय गिर गई थी। स्कूल स्टाफ उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना नागौर के गोटन कस्बे के गोटन इंटरनेशनल स्कूल में 23 फरवरी की सुबह करीब 7.48 बजे हुई थी। इसका वीडियो गुरुवार को सामने आया है। छात्रा के बड़े भाई की भी 4 महीने पहले ऐसे ही हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। स्कूल डायरेक्टर रामकुंवार ओला ने बताया- तालनपुर के रहने वाले राजेंद्र बापेडिया की बेटी दिव्या पांचवीं क्लास की स्टूडेंट थी। सामान्य दिनों की तरह 23 फरवरी की सुबह भी स्कूल आई थी। प्रेयर (प्रार्थना) होने में अभी समय था। इस दौरान कुछ बच्चे ग्राउंड में खेल रहे थे। इसमें दिव्या भी शामिल थी। खेलते समय अचानक दिव्या बेहोश होकर गिर पड़ी। ओला ने बताया कि इससे अफरा-तफरी मच गई। परिवार वालों को सूचना देने के साथ ही स्कूल स्टाफ ने दिव्या को संभाला।

डीजीसीए ने बदले टिकट रिफंड और रद्दीकरण के नियम

बुकिंग के 48 घंटे के अंदर टिकट रद्द किया तो पूरा रिफंड, क्या है सात से 15 दिन की शर्त?

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइन टिकट रिफंड नियमों में संशोधन किया है। अब यात्री हवाई टिकट बुकिंग के 48 घंटे के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या बदल सकते हैं, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी हों। डीजीसीए ने यात्रियों के अनुकूल संशोधित नियम जारी किए हैं। इसके तहत एयरलाइन को यह सुनिश्चित करना होगा कि यदि यात्री टिकट बुकिंग के 24 घंटे के भीतर अपने नाम में कोई गलती दिखाए और टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से बुक किया गया हो, तो इसका कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। डीजीसीए ने कहा, यदि टिकट ट्रैवल एजेंट या पोर्टल के माध्यम से खरीदी गई है, तो रिफंड की जिम्मेदारी एयरलाइन की होगी क्योंकि एजेंट उनके नियुक्त प्रतिनिधि हैं। एयरलाइन यह सुनिश्चित करें कि रिफंड प्रक्रिया 14 कार्यदिवसों के भीतर पूरी हो। इसके अलावा, यात्री या उसके परिवार के किसी सदस्य की चिकित्सा आपात स्थिति के कारण टिकट रद्द करने की शर्तों में भी बदलाव किए गए हैं। यह संशोधन इसलिए किया गया है, क्योंकि पिछले समय में यात्रियों की शिकायतें बढ़ रही थीं कि उन्हें समय पर रिफंड नहीं मिल रहा। टिकट रिफंड का मुद्दा दिसंबर 2025 में इंडिगो की उड़ानों में बाधा के दौरान भी सामने आया था, जब विमानन मंत्रालय ने एयरलाइन को निर्देश दिया था कि रिफंड को तय समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए। संशोधित नियम 24 फरवरी को जारी किया गया। अब एयरलाइन को यात्रियों को टिकट बुकिंग के 48 घंटे के लिए 'लुक-इन' विकल्प प्रदान करना होगा। इस अवधि में यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या संशोधित कर सकता है, बस संशोधित उड़ान के लिए सामान्य प्रचलित किराए का भुगतान करना होगा। डीजीसीए ने कहा कि यदि टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से बुक की गई हो और यात्री ने बुकिंग के 24 घंटे के भीतर अपने नाम में गलती बताई हो, तो एयरलाइन किसी भी अतिरिक्त शुल्क का दावा नहीं कर सकती। चिकित्सा आपात स्थिति में टिकट रद्द होने पर यदि यात्री या उसी पीएनआर (यात्री का नाम और यात्रा का रिकॉर्ड) पर उसका परिवार अस्पताल में भर्ती होता है, तो एयरलाइन रिफंड या क्रेडिट शेल दे सकती है। अन्य मामलों में रिफंड तभी मिलेगा, जब एयरलाइन के

राहुल गांधी नकारात्मक राजनीति के प्रतीक

डीजीसीए ने कहा कि यह सुविधा उन उड़ानों के लिए उपलब्ध नहीं होगी, जिनकी प्रस्थान तिथि बुकिंग की तारीख से कम से कम सात दिन (घरेलू उड़ान) और 15 दिन (अंतरराष्ट्रीय उड़ान) दूर है, यदि टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से बुक की गई हो। 48 घंटे की अवधि समाप्त होने के बाद यह विकल्प उपलब्ध नहीं होगा और यात्री को संशोधन या रद्द करने के लिए संबंधित शुल्क देना होगा।

जेएनयू में छात्रों का बवाल: वीसी के इस्तीफे की मांग पर अड़े

शांतिश्री पंडित पर कथित जातिसूचक टिप्पणी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू विश्व विद्यालय के छात्रों ने वीसी शांतिश्री डी पंडित के खिलाफ प्रदर्शन किया और उनके इस्तीफे की मांग की है। कैंपस के आसपास कड़ी सुरक्षा कर दी गई है। जानकारी के लिए बता दें कि दिल्ली पुलिस ने कुलपति शांतिश्री पंडित के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान जवाहरलाल नेहरू विश्व विद्यालय के छात्रों को हिरासत में लिया गया है। 10 दिन पहले जेएनयू छात्रसंघ ने कुलपति शांतिश्री धुलिपुडी पंडित पर एक पॉडकास्ट में कथित रूप से जातिसूचक टिप्पणियां करने का आरोप लगाया और इसकी कड़ी निंदा की। इस पॉडकास्ट में यूजीसी नियमों पर चर्चा हो रही थी। हालांकि, कुलपति ने इन आरोपों से इनकार किया। छात्रसंघ के अनुसार, बीती 16 फरवरी को जारी 52 मिनट के एक पॉडकास्ट में कुलपति ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों, छात्रसंघ पदाधिकारियों के निष्कासन और विश्वविद्यालय की छवि जैसे मुद्दों पर बातचीत की थी। छात्रसंघ का कहना था कि इस दौरान दिए गए कुछ बयान आपत्तिजनक थे। संघ ने बयान जारी कर कुलपति से इस्तीफे की मांग की और कहा कि ऐसे वक्तव्यों से विश्वविद्यालय की गरिमा प्रभावित होती है। छात्रसंघ ने विशेष रूप से उस टिप्पणी का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि स्थायी रूप से पीड़ित बने रहने या पीड़ित होने का दावा करने से प्रगति नहीं हो सकती। संघ का आरोप है कि यह टिप्पणी विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर सामाजिक अन्याय और बहिष्कार की वास्तविकताओं को नजरअंदाज करती है।

क्या है कुलपति का पक्ष?

इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कुलपति ने कहा कि उनके बयान को संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किया गया है। उनका कहना है कि उन्होंने किसी विशेष समुदाय के खिलाफ कुछ नहीं कहा। उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वयं पिछड़े वर्ग की पृष्ठभूमि से आती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बंगाल में 'दीदी बनाम मोदी' की सीधी जंग, तमिलनाडु में द्रविड़ किले पर 'विजय' फैक्टर की दस्तक

बंगाल की राजनीति में 'सड़क की ताकत' को निर्णायक माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि जो सड़क पर दिखता है, वही चुनावी धारणा गढ़ता है। फिलहाल ममता की सक्रियता और संगठन की जमीनी मौजूदगी उन्हें बढ़त देती दिखती है, लेकिन भाजपा का मत प्रतिशत बढ़ा है और पार्टी अपने समर्थकों को यह भरोसा दिलाने की कोशिश में है कि सत्ता परिवर्तन संभव है। वाम दल और कांग्रेस अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यदि विपक्षी वोटों का बिखराव होता है तो इसका सीधा लाभ टीएमसी को मिल सकता है।

(लेखक -कांतिलाल मांडोत)

– विधानसभा चुनाव 2026

देश की सियासत एक बार फिर दो बड़े गैर-भाजपा शासित राज्यों,पश्चिम बंगाल और तमिलनाडुकी ओर टिकी है। दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव की आहट तेज हो चुकी है और राजनीतिक तापमान लगातार बढ़ रहा है। एक ओर बंगाल में 'दीदी बनाम मोदी' की सीधी लड़ाई आकार ले रही है, तो दूसरी ओर तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक द्वंद्व के बीच अभिनेता विजय की एंट्री ने मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। इन दोनों राज्यों के चुनाव न केवल क्षेत्रीय राजनीति की दिशा तय करेंगे, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के समीकरणों पर भी गहरा असर डाल सकते हैं।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी डेढ़ दशक से सत्ता में हैं। 34 साल तक चले वाम शासन के 'लाल किले' को भेदकर सत्ता में आईं ममता आज भी आक्रामक तेवर में नजर आती हैं। उनके लिए महिला मतदाता, अल्पसंख्यक समर्थन, सामाजिक योजनाएं और मजबूत बूथ कैडर चुनावी आधार की धुरी हैं। लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाओं ने ग्रामीण और महिला वोट बैंक में गहरी पैठ बनाई है। इसके साथ ही ममता की सड़क पर उतरकर संघर्ष करने वाली छवि पार्टी कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरती है। हाल के महीनों में भर्ती घोटाले, मंत्रियों की गिरफ्तारी, हजारों नियुक्तियों के रद्द होने और कुछ चर्चित घटनाओं ने सरकार की छवि पर सवाल जरूर खड़े किए हैं, लेकिन ममता इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताते हुए सीधे मुकाबले की रणनीति अपना रही हैं।

दूसरी ओर, भाजपा ने बंगाल में पिछले चुनाव में उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की थी। 2021 के चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीतकर खुद को मुख्य विपक्ष के रूप में स्थापित किया। भाजपा की रणनीति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे, 'डबल इंजन' सरकार के वादे और संगठित बूथ प्रबंधन पर टिकी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई केंद्रीय नेताओं के दौरे लगातार बढ़ रहे हैं। पार्टी घुसपैठ, भ्रष्टाचार, महिलाओं के खिलाफ अपराध और कानून-व्यवस्था को मुख्य मुद्दा बना रही है। फिर भी भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य स्तर पर ममता के कद का सर्वमान्य चेहरा खड़ा करना है। स्थानीय नेतृत्व की कमी और बंगाली अस्मिता के सवाल पर टीएमसी की आक्रामक राजनीति भाजपा के लिए कठिन परीक्षा बन सकती है।

बंगाल की राजनीति में 'सड़क की ताकत' को निर्णायक माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि जो सड़क पर दिखता है, वही चुनावी धारणा गढ़ता है। फिलहाल ममता की सक्रियता और संगठन की जमीनी मौजूदगी उन्हें बढ़त देती दिखती है, लेकिन भाजपा का मत प्रतिशत बढ़ा है और पार्टी अपने समर्थकों को यह भरोसा दिलाने की कोशिश में है कि सत्ता परिवर्तन संभव है। वाम दल और कांग्रेस अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यदि विपक्षी वोटों का बिखराव होता है तो इसका सीधा लाभ टीएमसी को मिल सकता है।

तमिलनाडु की तस्वीर अलग है, लेकिन उतनी ही रोचक। यहां पांच दशकों से द्रविड़ दलों का वर्चस्व कायम है। मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और विपक्षी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के बीच रहा है। 2021 में डीएमके ने बहुमत हासिल कर सत्ता में वापसी की थी। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन सामाजिक कल्याण योजनाओं, क्षेत्रीय अस्मिता और केंद्र के साथ टकराव की राजनीति को आधार बना रहे हैं। हिंदी थोपने के आरोप और संघीय ढांचे के मुद्दे को भी डीएमके जोर-शोर से उठा रही है।

एआईएडीएमके, जो कभी जे. जयललिता के नेतृत्व में मजबूत धुरी थी, उनके निधन के बाद से आंतरिक खींचतान से जूझ रही है। पार्टी भाजपा के साथ गठबंधन में है, लेकिन सीट बंटवारे को लेकर खींचतान जारी है। भाजपा राज्य में अपनी स्वतंत्र पहचान मजबूत करना चाहती है और 50 से अधिक सीटों की मांग कर रही है, जबकि एआईएडीएमके सीमित साझेदारी के पक्ष में है। भाजपा की कोशिश एआईएडीएमके से अलग हुए नेताओं को फिर से साथ लाकर व्यापक एनडीए खड़ा करने की है।

तमिलनाडु की राजनीति में इस बार सबसे बड़ा नया फैक्टर अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) है। युवाओं और दक्षिण तमिलनाडु में विजय की लोकप्रियता ने चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की संभावना बढ़ा दी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि टीवीके 10-15 प्रतिशत वोट भी हासिल करती है तो यह पारंपरिक समीकरणों को बदल सकता है। विजय खुद को भ्रष्टाचार और परिवारवाद के खिलाफ विकल्प के रूप में पेश कर रहे हैं। उन्होंने डीएमके और भाजपा दोनों से दूरी बनाकर तीसरे मोर्चे की संभावना खुली रखी है।

कांग्रेस इस राज्य में डीएमके के साथ गठबंधन में है और अधिक सीटों की मांग कर रही है, लेकिन अंतिम फैसला सीट शेयरिंग वार्ता पर निर्भर करेगा। भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए तमिलनाडु में विस्तार की चुनौती बरकरार है, क्योंकि यहां राष्ट्रीय दलों की भूमिका अब तक सीमित रही है।

दोनों राज्यों में एक समान तत्व है।पहचान की राजनीति और कल्याणकारी योजनाओं का प्रभाव। बंगाल में जहां महिला और अल्पसंख्यक वोट निर्णायक माने जाते हैं, वहीं तमिलनाडु में सामाजिक न्याय, भाषा और क्षेत्रीय गर्व का मुद्दा अहम है। भाजपा इन दोनों राज्यों में अपनी जड़ें गहरी करने की कोशिश में है, लेकिन उसे स्थानीय भावनाओं और मजबूत क्षेत्रीय नेतृत्व की दीवार से जूझना पड़ रहा है।

आगामी चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या पुनरावृत्ति का प्रश्न नहीं हैं। यह क्षेत्रीय बनाम राष्ट्रीय राजनीति की परीक्षा भी है। बंगाल में यदि ममता फिर जीतती हैं तो उनका कद राष्ट्रीय विपक्ष की धुरी के रूप में और मजबूत होगा। वहीं भाजपा यदि सीटों में बड़ी बढ़त दर्ज करती है तो पूर्वी भारत में उसका विस्तार नया अध्याय लिखेगा। तमिलनाडु में डीएमके की वापसी द्रविड़ मॉडल की पुष्टि मानी जाएगी, जबकि एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन की सफलता दक्षिण भारत में भाजपा की संभावनाओं को नई ऊर्जा दे सकती है। और यदि विजय की पार्टी उल्लेखनीय प्रदर्शन करती है, तो यह राज्य की राजनीति में स्थायी बदलाव की शुरुआत हो सकती है।

इस तरह 2026 के विधानसभा चुनाव बंगाल और तमिलनाडु में केवल सरकार चुनने का अवसर नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा तय करने की निर्णायक घड़ी बनते जा रहे हैं। देश की निगाहें अब इन दो राज्यों पर टिकी हैं, जहां हर रैली, हर बयान और हर गठबंधन भविष्य की राजनीति की पटकथा लिख रहा है।फिर भी कयास लगाए जा रहे है कि मतदाता जंगलराज से परेशान है ओर इसकी तैयारी कर चुकी भाजपा जीत का दावा कर परिवर्तन की पूर्ण सम्भावना बताई जा रही है।

(रु103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार ,साहित्यकार,स्तम्भकार)

संपादकीय

रिश्तों में छल

हाल ही में सामने आए एक सर्वेक्षण में, यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि जीवन साथी की निगरानी के लिये बड़ी संख्या में डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद ली जा रही है। तमाम विवाहेत्तर संबंधों की पड़ताल से बड़ी संख्या में शक सही निकल रहे हैं। हालांकि, इस सर्वे के दायरे और उसकी विश्वसनीयता की कसौटी के प्रश्न सामने हैं, लेकिन यह एक कड़वी हकीकत है कि हमारी पारिवारिक संस्था में अविश्वास की सेंध लग रही है। खाओ-पियो मौज करो की पश्चिमी संस्कृति के अंधानुकरण से वैवाहिक संस्था की शुचिता को आंच आई है। समाज में अलगाव, तलाक व हिंसक प्रतिशोध के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रही सही कसर कथित सोशल मीडिया ने पूरी कर दी है, जिसने हमारे समाज में वर्जित माने जाने वाले भदेस विषयों को न्यू नॉर्मल बना दिया है। दरअसल, हाल के वर्षों में भारतीय समाज तेजी से संक्रमणकालीन दौर में जा पहुंचा है। कभी जिस रिश्ते को सिरे चढ़ाते वक्त जन्म-जन्मांतर साथ निभाने का वायदा किया जाता था, आज उसी जीवन साथी की निगरानी के लिये डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद ली जा रही है। यह दुखद ही है कि जिन जीवन मूल्यों, संयम व शुचिता के रिश्तों के लिये भारत दुनिया में जाना जाता था, वहां आज यौन स्वच्छंदता व विवाहेत्तर संबंधों का दायरा बढ़ रहा है। एक समय था कि भारतीय संयुक्त परिवार की छांव में संयमित व मर्यादित व्यवहार करते थे। बड़ों का अनुशासन मर्यादा की रक्षा करता था। कामकाज का स्वरूप और स्थानीय रोजगार भी जीवन व्यवहार को संतुलित व संयमित करते थे। लेकिन हमारी कार्य संस्कृति में बदलाव व देश-विदेश में कामकाज के लिये बाहर जाने के बाद व्यक्ति स्वच्छंद व्यवहार करने लगा। यही वजह है कि विदेश में रहने वाले पति या पत्नी के व्यवहार की पड़ताल के लिये डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद लेने के मामले लगातार उजागर हुए हैं। जिसके बाद मुकदमेबाजी, अलगाव व टकराव की खबरें सामने आने लगती हैं। दरअसल, विगत में भारतीय समाज में व्यक्ति के सार्वजनिक व्यवहार को संयुक्त परिवार व समाज संयमित करता था। लेकिन धीरे-धीरे आर्थिक आत्मनिर्भरता के बाद लोगों ने बड़े-बुजर्गों व समाज के हस्तक्षेप को अस्वीकार करना शुरू कर दिया। विगत में हमारी फिल्मों व टीवी निर्माताओं ने दर्शकों की भीड़ जुटाने के लिये हमेशा असामान्य वैवाहिक रिश्तों को अपनी कथावस्तु बनाया। इन असामान्य रिश्तों को इस ग्लैमर के साथ पेश किया जाता रहा है कि कालांतर उसका प्रभाव समाज पर नजर आने लगा। आज तो विदेशी धरती से संचालित इंटरनेट व सोशल मीडिया ने तो असामान्य रिश्तों की पराकाष्ठा दर्शा दी। विडंबना यह रही है कि मीडिया ने भी ऐसी नकारात्मक प्रवृत्तियों को इतनी तरजीह दी कि समाज के एक तबके में असामान्य रिश्तों को सामान्य माना जाने लगा। एक हकीकत यह भी है कि देश पर तमाम विदेशी आक्रांताओं ने भारतीय संस्कृति को इतनी क्षति नहीं पहुंचाई होगी, जितनी इंटरनेट व सोशल मीडिया के माध्यम से परोसी जा रही अपसंस्कृति ने विकृतियां पैदा की। नई पीढ़ी ही नहीं, उम्र दराज लोग भी कामदेव के मोहपाश में बंधे वर्जनाओं को लांघने लगे हैं। सोशल मीडिया पर बालाओं के मोहपाश में बंधकर गांठ का धन गंवाने वालों में बुजुर्गों की संख्या भी कम नहीं है। निस्संदेह, विवाह एक पवित्र बंधन है। जिसका निर्वहन संयम, सहजता, सहयोग, धैर्य और त्याग से ही होता है। लगता है कहीं न कहीं नई पीढ़ी लगातार धैर्य खोती जा रही है। रिश्तों के दीर्घकालिक निर्वहन का मूलमंत्र यही है कि हम जीवन-साथी की छोटी-मोटी कमियों को नजरअंदाज करके सामंजस्य के साथ जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाएं। असामान्य रिश्तों का अल्पकालिक सुख भले ही लुभाता हो, मगर उसकी कीमत परिवार को लंबे समय तक चुकानी पड़ती है।

दवाओं से बेहतर प्रकृति की शरण

(लेखक- डॉ. यशपाल सिंह)

आधुनिक युग में दवाएं मानव जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी हैं। आपातकालीन स्थितियों और गम्भीर रोगों में इनका योगदान अमूल्य है। किन्तु जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे अवसाद, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग आदि में केवल दवाओं पर निर्भरता दीर्घकाल में दुष्प्रभाव भी उत्पन्न कर सकती है। अतः इस प्रकार की स्थितियों में प्रकृति की शरण- योग, ध्यान, शुद्ध वायु, सूर्य का प्रकाश, वन-स्पर्श आदि प्रभावी विकल्प के रूप में हो सकते हैं। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) और इंपीरियल कॉलेज की स्टडी में यह दावा किया गया है कि प्रकृति के करीब रहना सेहत के लिए तो अच्छा है ही, इससे भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याएं भी नहीं होती। जिन बच्चों का हरियाली से बेहतर एक्सपोजर होता है उनका बौद्धिक विकास भी अच्छी तरह होता है। ठीक इसके विपरीत शहरी क्षेत्रों में और प्रकृति से कटकर रहने वाले बच्चों को भावना और व्यवहार संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

स्टडी के प्रमुख लेखक और यूसीएल में प्रोफेसर केट जोन्स के मुताबिक नतीजों से स्पष्ट होता है कि पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों के द्वारा मिलने वाला आडियो-विजुअल एक्सपोजर मनोवैज्ञानिक तौर पर फायदा पहुंचाता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि ग्रीन स्पेस में वॉक और शारीरिक गतिविधियां करने से एंडॉर्फिन (खुशी से जुड़ा हॉर्मोन) रिलीज होता है। इससे मूड सुधरता है और 1चिन्ता व तनाव में कमी आती है। प्राकृतिक वातावरण में घूमने और समय बिताने से मानसिक सेहत पर सकारात्मक असर पड़ता है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्स मेडिसिन ने गणना की है कि नियमित एक्सरसाइज कैंसर होने के जोखिम को 69 प्रतिशत तक कम कर सकती है। कैंसर रिसर्च यूके का एक्सरसाइज इज मेडिसिन इन ऑन्कोलॉजी शीर्षक का पेपर कहता है कि आप जितने एक्टिव रहे, उतना अच्छा। संक्षेप में कहे तो व्यायाम इम्यून सेल्स की एक्टिविटी बढ़ा सकता है, जिससे कैंसर की ग्रोथ रोकने में मदद मिल सकती है। स्वीडिश व अमेरिकी शोधकर्ताओं द्वारा 7,55,459 लोगों पर किया गया अध्ययन बताता है कि 20 मिनट रोज या प्रति सप्ताह 150 मिनट वॉकिंग जैसी आधुनिक एक्सरसाइज लिवर कैंसर का जोखिम 80 प्रतिशत तक कम कर सकती है। आंकड़े बताते हैं कि इससे कोलन, ब्रेस्ट और किडनी कैंसर जैसे अन्य कैंसरों का जोखिम भी कम होता है। यूके में नियमित आवागमन करने वाले 2,50,000 लोगों के पांच वर्ष तक अध्ययन में यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो के शोधकताओं ने पाया कि कुछ दूर या पूरी तरह साइकिल से काम पर जाने से कैंसर होने की आशंका 45 प्रतिशत तक कम हो सकती है। यूके के 2,80,423 प्रतिभागियों के अध्ययन में ऑस्ट्रेलिया, नार्वे और स्पेन के शोधकर्ताओं ने पाया कि अगर कोई व्यक्ति प्रतिदिन पांच मंजिल से ज्यादा सीडियां चढ़ता है तो कैंसर से मौत का जोखिम कम होता है। अगर आप डुप्लेक्स में रहते हैं तो प्रतिदिन कम से कम पांच बार सीढिया चढ़ें। साइकोलॉजिकल साइंस मैग्जीन की रिपोर्ट के अनुसार पेड़-पौधों और पहाड़ों के बीच वक्त बिताने से मस्तिष्क को रोजमर्रा के अनावश्यक एक्साइटमेंट से आराम मिलता है अगर आप काम के तनाव से ब्रेक लेकर प्रकृति के बीच जाएं तो एकाग्रता पाने में मदद मिलती है। कार्यक्षमता बढ़ती है। मिशिगन यूनिवर्सिटी के एक शोध में प्रकृति के बीच वक्त बिताने वाले छात्रों ने शहरी माहौल में पढ़ाई करने वालों की तुलना में परीक्षा में 20 प्रतिशत बेहतर अंक पाए। इससे शॉर्ट टर्म व लॉन्ग टर्म मेमोरी सुधरती है। हार्वर्ड हेल्थ में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार प्रकृति के बीच रहने पर घाव जल्दी भरते हैं। जो लोग अधिक प्राकृतिक प्रकाश के सम्पर्क में आए वे रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के बाद तेजी से ठीक हुए। दूसरों की तुलता में उन्हें दर्द का अहसास भी कम हुआ। फिनलैंड में हुए एक अध्ययन के अनुसार प्रकृति के बीच केवल 15 मिनट बिताने से मानसिक परेशान व्यक्ति को खुशी मिलती है। अगर व्यक्ति प्राकृतिक वातावरण में सैर करे तो खुशी बढ़ जाती है। प्रकृति मन पर सीधे असर करती है। एक जापानी अध्ययन से पता चला है कि जिन

महिलाओं ने दो दिन की अवधि में छह घंटे जंगल में बिताए, उनमें व्हाइट ब्लड सेल्स की मात्रा बढ़ गई। व्हाइट सेल्स वायरस से लड़ने में मदद करते हैं। ऑस्ट्रेलिया में हुए एक शोध में पता चला कि आउटडोर एक्टिविटी से बच्चों में नजरें कमजोर होने का खतरा कम हो जाता है। प्रकृति आपको उम्र के साथ होने वाले शारीरिक दर्द को भी कम करती है। एक शोध में पाया गया कि 70 साल की उम्र में जिन लोगों ने रोज कुछ देर के लिए बाहर घूमने जाने के नियम का पालन किया उन्हें शरीर में दर्द की शिकायत अन्य की तुलना में कम हुई। वे 75 की उम्र के बाद भी बेहतर नींद और स्वास्थ्य का आनंद लेते रहे। प्रकृति कोई विकल्प नहीं है, बल्कि मूल आधार है। दवाएं आवश्यकता है पर जीवन का दर्शन नहीं। यदि हम प्रकृति के साथ साम्जस्य बैठाकर चलें, संतुलित आहार, नियमित योग-व्यायाम, स्वच्छ पर्यावरण, मानसिक शांति हो तो रोग दूर होने लगते हैं। प्रकृति से दूर जाना ही रोग है और प्रकृति की ओर लौटना ही स्वास्थ्य।

(सलाहकार जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल, राष्ट्रपति पुरस्कार, मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार एवं अन्य पुरस्कारों से सम्मानित)

ईश्वर से प्रेम करना है वास्तविक प्रेम

बहुत से ऐसे लोग मिलेंगे जो कहेंगे कि उन्हें किसी से प्यार हो गया है। अपने प्रेम को पाने के लिए वह दुनिया छोड़ने की बात करेंगे। लेकिन वास्तव में प्रेम को पाने के लिए दुनिया छोड़ने जरूरत ही नहीं है। प्रेम तो दुनिया में रहकर ही किया जाता है। जो दुनिया छोड़ने की बात करते हैं वह तो प्रेमी हो ही नहीं सकते है। दुनिया छोड़ने की बात करने वाले लोग वास्तव में रूप के आकर्षण में बंधे हुए लोग होते हैं। वह प्रेम के वास्तविक स्वरूप से अनजान होते हैं। ऐसी स्थिति कभी रामचरित मानस के रचयिता तुलसीदास जी की भी थी, लेकिन जब उन्हें प्रेम का सही बोध हुआ तब वह परम पद को पाने में सफल हुए। तुलसीदास जी के युवावस्था के समय की बात है इनका विवाह एक अति रूपवती कन्या से हुआ जिसका नाम रत्नावली था। रत्नवती के रूप में तुलसीदास ऐसे खो गये कि उनके बिना एक क्षण जीना उनके लिए कठिन प्रतीत होने लगा। एक बार रत्नावली अपने मायके चली आयी तो तुलसीदास बचैन हो गये। आधी रात को आंधी तूफान की परवाह किये बिना रत्नावती से मिलने चल पड़े। नदी उफन रही थी जिसे पार करने के लिए वह एक आश्रय का सहारा लेकर तैरने लगे। रत्नावली के ख्यालों में तुलसीदास जी ऐसे खोये हुए थे कि उन्हें यह पता भी नहीं चला कि वह जिस चीज का आश्रय लेकर नदी पार कर रहे हैं वह किसी व्यक्ति का शव है। रत्नावली के कमरे में प्रवेश के लिए तुलसीदास जी ने एक सांप का पूंछ रस्सी समझकर पकड़ लिया जो उस समय रत्नावली के कमरे की दीवार पर चढ़ रहा था। रत्नावली ने जब तुलसीदास को अपने कमरे में इस प्रकार आते देखा तो बहुत हैरान हुई और तुलसीदास जी से कहा कि हाड़-मांस के इस शरीर से जैसा प्रेम है वैसा प्रेम अगर प्रभु से होता तो जीवन का उद्देश्य सफल हो जाता है। तुलसीदास को पत्नी की बात सुनकर बड़ी ग्लानि हुई और एक क्षण रूके बिना वापस लैट आए। तुलसीदास का मोह भंग हो चुका था। इस समय उनके मन में भगवान का वास हो चुका था और अब वह सब कुछ साफ-साफ देख रहे थे। नदी तट पर उन्हें वही शव मिला जिसे उन्होंने नदी पार करने के लिए लकड़ी समझकर पकड़ लिया था। तुलसीदास जी अब प्रेम का सच्चा अर्थ समझ गये थे। तुलसीदास जान चुके थे कि वह जिस प्रेम को पाने के लिए बचैन थे वह तो क्षण भंगुर है। यह प्रेम तो संसार से दूर ले जाता है। वास्तविक प्रेम तो ईश्वर से हो सकता है जो कण-कण में मौजूद है उसे पाने के लिए बेचैन होने की जरूरत नहीं है उसे तो हर क्षण अपने पास मौजूद किया जा सकता है। इसी अनुभूति के कारण तुलसीदास राम के दर्शन पाने में सफल हुए। जिस पत्नी से मिलने के लिए तुलसी अधीर रहते थे वही उनकी शिष्य बनकर उनका अनुगमन करने लगी।

विचार मंथन

स्मार्टफोन ने याददाश्त छीनी एआई कल्पना शक्ति छीन लेगी?

(लेखक- सनत जैन)

भारत से लेकर दुनिया के सभी देशों में इस समय एआई की धूम मची हुई है। हर वर्ग का व्यक्ति छोटा हो या बड़ा इसी तकनीकी की बात कर रहा है। सबको ऐसा लग रहा है, यदि यह तकनीकी हमारे पास नहीं आई तो शायद हम अपना सब कुछ खो देंगे। भारत में हाल ही में एआई समिट हुआ है। जिसमें दुनिया भर के देशों से एआई की आईटी कंपनियों ने बड़े-बड़े दावे किए हैं। ऐसा लग रहा है, जल्द ही स्वर्ग धरती पर उतर आएगा। एआई तकनीकी आने के बाद जो खतरे आने वाले हैं, उसको लेकर कोई भी चर्चा नहीं हो रही है। दिल्ली में हुए समिट के दौरान कहा गया, इस तकनीकी से कारोबार आसान हो जाएगा। खेती बहुत बढ़िया हो जाएगी। एआई तकनीकी से इलाज होगा। इसे एआई क्रांति का नाम दिया जा रहा है। यह क्रांति आएगी, उसके बाद आदमी को कुछ नहीं करना पड़ेगा। इसे एक बड़ी औद्योगिक क्रांति के रूप में देखा जा रहा है। धरती में सभी को सब कुछ बैठे-बैठे मिल जाएगा। इस तरह की बातें कही जा रही हैं। एआई तकनीकी के दुष्प्रभाव को लेकर युवल नोआ हरारी ने अपनी किताब नेक्सस में एआई के खतरों से आगाह किया है। उन्होंने दावा किया है, पहली बार मनुष्य सभ्यता के सामने एक ऐसी मशीनी दुनिया खड़ी होने जा रही है जो मनुष्य से अधिक बुद्धिशील और पराक्रमी साबित होगी। इसका इस्तेमाल बहुत खतरनाक भी हो सकता है। एआई तकनीकी आने के बाद जिस तेजी के साथ मशीनें अपने आप को अपग्रेड कर लेती हैं। एक मशीन सैकड़ो और हजारों लोगों की क्षमताओं का काम अकेली कर सकती है। एआई सभी सूचनाओं, संवेदनाओं, कृत्रिम बादल और बरसात, कविता, उपन्यास, काल्पनिक कहानियां, टीवी सीरियल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़े कार्य, खेती से लेकर समुद्र तक इसकी पहुंच होगी। जिस तरीके के उपकरण एआई तकनीकी के माध्यम से बनाए जा रहे हैं, उसके कारण सबसे बड़ा खतरा बेरोजगारी का है। मशीनों पर आश्रित होकर हम अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमता को ही खो देंगे। इस तरह की बात सामने आने लगी है।

एआई तकनीकी अब समाज के हर उसे क्षेत्र में घुसने के लिए तैयार खड़ी है, जहां पर अभी केवल मानव अस्तित्व ही काम करता था। अब जिस तरह के रोबोट बनाए जा रहे हैं, वह मानवों की तरह संवेदनशील और मानवों की तरह ही, वह सब कुछ कर सकते हैं, जो अभी तक मानव करते आए हैं। इस बात का भी खतरा उत्पन्न हो गया है, जो रोबोट बनाये जा रहे हैं। उसके बाद सेक्स और बच्चा पैदा करने का काम भी यही रोबोट करने लगेंगे। यह रोबोट मानवीय सभ्यता से ज्यादा संवेदनशील होंगे, एक दूसरे को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। कुछ समय पहले स्मार्टफोन आया था। इस स्मार्टफोन ने लोगों की याददाश्त छीन ली। अब हर काम के लिए स्मार्टफोन की जरूरत होती है। कुछ याद नहीं रहता है, यदि स्मार्टफोन ना हो तो हम अपने परिजनों के मोबाइल नंबर और ईमेल अकाउंट का उपयोग भी नहीं कर पाते हैं। जब एआई का अस्तित्व अपने पूरे सवाब में आएगा, तब मनुष्य प्रजाति की कल्पना शक्ति और शारीरिक क्षमता सीमित करने का काम एआई क्रांति कर देगी। कहा जाता है, तकनीकी से डरने की जरूरत नहीं है। तकनीकी जीवन को बेहतर बनाने के लिए उपयोग में आती है। जिस तरह से सारे विश्व में छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बूढ़े तक स्मार्टफोन के नशे का शिकार होकर अपनी सुध-बुध खो चुके हैं। एआई क्रांति के माध्यम से जिस तरह से हम संपूर्ण जीवन को मशीनों के ऊपर आश्रित करते चले जा रहे है। ऐसी स्थिति में ना तो हम शारीरिक श्रम कर पाएंगे और ना ही हम मानसिक श्रम कर पाएंगे। इस स्थिति में भविष्य का क्या होगा, आसानी से समझा जा सकता है। तकनीकी का स्वागत किया जाना चाहिए, पर हमारे जीवन में तकनीकी का उतना ही प्रवेश होना चाहिए, जो हमारी सहायता और विकास को आगे बढ़ाने के लिए काम करे। जब करोड़ों लोगों का काम कुछ लाख मशीनें करने लगेंगी। हफ्तों और महीनो का काम पलक झपकते हो जाएगा। ऐसी स्थिति में 800 करोड लोगों को पालने-पोसने, सामाजिक और पारिवारिक जीवन को किस तरह से सुरक्षित एवं संरक्षित रखा जा सकेगा। तकनीकी का उपयोग करने के पहले इस पर गंभीर विचार-विमर्श करने की जरूरत है। ऐसा ना हो कि तकनीकी के सहारे हम विकास एवं सामाजिक सुरक्षा के स्थान पर विनाश की ओर आगे बढ़ जाएं। एआई तकनीकी का उपयोग बड़े सोच-समझकर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार किया जाना चाहिये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डाकघर की मंथली इनकम स्कीमः सुरक्षित निवेश और नियमित आमदनी का भरोसेमंद जरिया

नई दिल्ली । भारतीय डाकघर द्वारा संचालित मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस) एक ऐसा निवेश विकल्प है जिसमें आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है। यह योजना केंद्र सरकार की गारंटी के साथ आती है, इसलिए निवेशकों को जोखिम की चिंता नहीं रहती। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत है कि आपको बार-बार पैसे जमा करने की आवश्यकता नहीं। एक बार राशि जमा करने के बाद आप अगले 5 सालों तक मासिक आमदनी का लाभ ले सकते हैं। वर्तमान में पोस्ट ऑफिस इस योजना पर 7.4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर ऑफर कर रहा है। एमआईएस खाते को आप सिंगल या जॉइंट अकाउंट के रूप में खोल सकते हैं। सिंगल अकाउंट में न्यूनतम 1000 रुपये, अधिकतम 9 लाख रुपये। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये, जिसमें 3 सदस्य शामिल हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप और आपकी पत्नी मिलकर 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो मासिक ब्याज 9250 रुपये सीधे आपके बचत खाते में ट्रांसफर होगा।

लाभ और सुविधा

- मासिक आमदनी- ब्याज सीधे बैंक खाते में जाता है।
- 5 साल की अवधि- मैच्योरिटी पर मूल निवेश राशि वापस मिलती है।
- सरल प्रक्रिया- खाता खोलने और ब्याज प्राप्त करने के लिए पोस्ट ऑफिस में सेविंग्स अकाउंट होना अनिवार्य है।

नीलामी में उपलब्ध 11,790 मेगाहट्र्ज दूरसंचार स्पेक्ट्रम का मूल्य 2.1 लाख करोड़

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 11,790 मेगाहट्र्ज रेडियो तरंगों के स्पेक्ट्रम की नीलामी की सिफारिश की है। सूत्रों के अनुसार, यदि संपूर्ण स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाता है, तो इसका कुल आधार या आरक्षित मूल्य लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये होगा। यह मूल्य 2022 में अनुशंसित कीमतों की तुलना में 19 प्रतिशत कम है। ट्राई ने नीलामी की सिफारिश नई कंपनियों के प्रवेश को आसान बनाने और दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए की है। इससे बाजार में संतुलन बनेगा और छोटे या नए खिलाड़ियों के लिए अवसर बढ़ेंगे। नियमों में यह भी प्रस्तावित किया गया है कि हर कंपनी अधिकतम 35 प्रतिशत स्पेक्ट्रम रख सकती है। इस सीमा का उद्देश्य किसी एक कंपनी के पास अत्यधिक स्पेक्ट्रम होने से रोकना और प्रतिस्पर्धी वातावरण बनाए रखना है।

सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स का 1,087 करोड़ का आईपीओ 4 मार्च को खुलेगा

- आईपीओ का मूल्य दायरा 1287-1352 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली । पावरट्रेन कंट्रोल और मोटर वाहन कलपुर्जे बनाने वाली सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स लिमिटेड का 1,087 करोड़ रुपए का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 4 मार्च को खुल रहा है और 6 मार्च 2026 को बंद होगा। आईपीओ के लिए तय किया गया मूल्य दायरा 1,287 से 1,352 रुपए प्रति शेयर है। इस आधार पर कंपनी का ऊपरी सीमा पर मूल्यांकन लगभग 6,000 करोड़ है। एंकर निवेशक 2 मार्च से बोली लगा पाएंगे। आईपीओ में कोई नया निर्गम नहीं है। यह पूरी तरह ओएफएस पर आधारित है। सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स दोपहिया और तिपहिया आंतरिक दहन इंजन वाहनों के लिए सेंसर-लेस कम्यूटेशन आधारित 'इंटीग्रेटेड स्टार्टर जनरेटर ईसीयू' का विकास, डिजाइन और निर्माण करती है। इसके प्रमुख ग्राहक टीवीएस मोटर कंपनी, बजाज ऑटो, किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स, ब्रिग्स एंड स्ट्रैटन एलएलसी और डीईआईएफ इंडिया हैं। कंपनी का शेयर 11 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है। निवेशक इस अवसर के माध्यम से मौजूदा शेयरधारकों से शेयर खरीद सकेंगे।

भारत में पर्यटन उद्योग में तेजी, भविष्य में बनेगा वैश्विक खिलाड़ी

हर साल हो रही हैं 303 करोड़ घरेलू यात्राएं, पर्यटकों के लिए कम पड़ रहे हैं होटल

नई दिल्ली । भारत में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और यह अब केवल सेक्टर नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री बन चुकी है। विदेशी और घरेलू दोनों तरह के पर्यटन में वृद्धि हो रही है, जिससे होटलों की मांग बढ़ रही है और उनकी कीमतें भी महंगी होती जा रही हैं। वर्तमान में पर्यटन उद्योग का भारत के जीडीपी में योगदान 5 फीसदी है, जबकि 2047 तक यह 10 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। इसी अवधि में केवल पर्यटन इंडस्ट्री में 200 मिलियन रोजगार मिलने की संभावना है। दिल्ली के द्वारका में आयोजित एसएटीटीई 2026 (साउथ ऐ शिया ट्रेवल एंड टू रिज्म एक्सचेंज) में 60 से अधिक देशों के 2000 से अधिक प्रदर्शक और 3200 से अधिक ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इस साल की थीम थी एन ओव्र्ह्यु निटी काल इं डिया आयोजन में अजीत बजाज, अध्यक्ष, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने पर्यटन के तेजी से बढ़ते क्षेत्र की जानकारी दी।

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत आने वाले समय में वैश्विक पर्यटन का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनेगा। इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया के एक अे धिकारी के अनुसार भारत का पर्यटन क्षेत्र 'ट्रिपल इंजन ग्रोथ' पर बढ़ रहा है- घरेलू, आउटबाउंड और इनबाउंड। हर साल देश में 303 करोड़ से अधिक घरेलू यात्राएं हो रही हैं, और भारतीयों का विदेश यात्रा खर्च 42 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। अनुभव आधारित, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय पर्यटन के कारण टियर-2 और टियर-3 शहरों में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि भारत का पर्यटन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों में निहित है। यात्रियों को आज अनुभव और जुड़ाव चाहिए और भारत इसे सबसे बेहतर रूप में प्रदान करता है। 2027 तक भारत का ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर 125 अरब डॉलर के घरेलू बाजार की ओर बढ़ रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे की बढ़त के साथ ही 90.91 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.85 पर खुला। डॉलर के कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों के निवेश में वृद्धि से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की सकारात्मक शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा को और मजबूती प्रदान की जबकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि तथा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने रुपये की तेज बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 90.86 पर खुला। फिर 90.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को सीमित दायरे में कारोबार करते हुए चार पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.57 पर रहा।

भारतीय रेलवे 1 मार्च से बंद कर रहा यूटीएस ऐप, रेलवन ऐप बनेगा नया विकल्प

- बदल जाएगा ऑनलाइन अनारक्षित टिकट बुक करने का तरीका

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने घोषणा की है कि यूटीएस ऐप (अने रिजर्वड टिकटिंग सिस्टम) को 1 मार्च से बंद कर दिया जाएगा। वर्तमान में यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म पास और सीजन टिकट बुक करने की सुविधा देता है। यूटीएस ऐप बंद होने के बाद यात्री इन सेवाओं के लिए इसे इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। रेलवे ने इसके स्थान पर रेलवन ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित और रिजर्वेशन टिकट, प्लेटफॉर्म पास, सीजन टिकट और अन्य रेलवे सेवाओं का उपयोग एक ही प्लेटफॉर्म से करने की सुविधा देता है। रेलवन ऐप का इंटरफ़ेस सरल और यूज़र फ्रेंडली है, जिससे नए और मौजूदा दोनों तरह के यात्री इसका लाभ उठा सकते हैं। यात्रियों को नया अकाउंट बनाने की आवश्यकता नहीं है। यूटीएस और आईआरसीटीसी लॉगिन की मदद से सीधे साइनअप किया जा सकता है। ऐप दोनों एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसे निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। भारतीय रेलवे यात्रियों को कैशलेस यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रेलवन ऐप से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3 फीसदी की छूट दे रहा है। यह ऑफ़र 14 जनवरी से 14 जुलाई तक मान्य है। यात्री यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और डिजिटल वॉलेट के जरिए इसका लाभ ले सकते हैं।

भारतीय शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार हुआ। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने के कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 27.46 अंक टूटकर 82,248.61 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 14 .05 अंक की हल्की बढ़त के साथ 25,496.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान डिफेंस और हेल्थकेयर शेयरों से बाजार को सहारा मिला। निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.48 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर 1.24 फीसदी बढ़कर की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी फार्मा 1.08 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.95 फीसदी, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.87 फीसदी, निफ्टी ऑटो 0.80 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 0.78 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.32 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ।

निफ्टी मीडिया 0.68 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.16 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.11 फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.06 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मिला-जुला कारोबार हुआ।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 392.05 अंक की तेजी के साथ 59,798.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स एक अंक की हल्की कमजोरी के साथ 17,117.65 पर था।

सेंसेक्स पैक के शेयरों में बीईएल, अदाणी पोर्ट्स, सनफार्मा, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, एसबीआई, टीसीएस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, टाइटन और टेक महिंद्रा के शेयर लाभ में रहे।

ट्रेंट, पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टीएंडटी, एचसीएल टेक और एमएंडएम के शेयर नुकसान में रहे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 82,418 के स्तर पर खुला। वहीं इसी तरह निफ्टी 50 ने भी 25,556 के स्तर पर शुरुआत की। शुरुआती मिनटों में यह 30.15 अंक की बढ़त लेकर 25,512.65 पर कारोबार करता दिखाई दिया।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बावजूद निवेशक फिलहाल सावधानी बरत रहे हैं। बीच-बीच में मुनाफावसूली भी देखी जा रही है, जिससे बढ़त सीमित बनी हुई है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में वृद्धि, बेरोजगारी में कमी की उम्मीदः आईएमएफ रिपोर्ट

- बेरोजगारी दर 2025 में 4.5 से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रहने की संभावना

वॉशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था का 2026 तक का आकलन पेश किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है, जो 2025 के 2.2 प्रतिशत से अधिक है। आईएमएफ ने अर्थव्यवस्था की वृद्धि को मोटे तौर पर सकारात्मक बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेरोजगारी दर 2025 के अंत में 4.5 प्रतिशत से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रह सकती है। आईएमएफ ने कहा कि रोजगार बाजार में अत्यधिक गिरावट न आए तो फेडरल रिजर्व को ब्याज दर में और कटौती से बचना चाहिए। महंगाई दर 2027 तक अमेरिकी केंद्रीय बैंक के 2 प्रतिशत के लक्ष्य तक आ सकती है। फेडरल रिजर्व की मौजूदा रेपो दर 3.6 प्रतिशत है, जिसे घटाकर लगभग 3.4 प्रतिशत किया जा सकता है। 2025 में नीतिगत ब्याज दर में तीन बार कटौती की गई थी। आईएमएफ ने अमेरिकी संघीय सरकार के बढ़ते कर्ज पर चिंता जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के अनुपात में 2025 के लगभग 100 प्रतिशत से बढ़कर 2031 तक 110 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यह आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यदि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए आयात शुल्क नहीं होते, तो

अमेरिकी अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। संरक्षणवादी नीतियां अपेक्षा से अधिक नकारात्मक असर डाल सकती हैं। हालांकि, अमेरिका को मजबूत उत्पादकता वृद्धि का लाभ मिला है। आईएमएफ के अनुसार, अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2026 में बढ़ेगी, बेरोजगारी घटेगी और महंगाई नियंत्रित रहेगी, लेकिन बढ़ता सरकारी कर्ज और संरक्षणवादी नीतियां आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम बन सकती हैं।

आरबीआई 25,000 करोड़ के बॉन्ड की दो मार्च को करेगा अदला-बदली नीलामी

मुंबई ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने दो मार्च को 25,000 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड की अदला-बदली नीलामी करने की घोषणा की। अदला-बदली नीलामी के तहत सरकार जल्द परिपक्व होने वाले बॉन्ड को लंबी अवधि वाले नए बॉन्ड में बदलती है। इससे एक ही वित्तीय वर्ष में बड़ी रकम चुकाने का दबाव कम होता है और भुगतान की समय-सीमा आगे बढ़ती है। आरबीआई के अनुसार नीलामी सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक होगी। नतीजे उसी दिन जारी किए जाएंगे और लेन-देन का निपटान 4 मार्च को किया जाएगा। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 में कुल 5.47 लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड परिपक्व होने वाले हैं। इस कदम का उद्देश्य उस वर्ष संभावित भुगतान दबाव को कम करना है और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है। इससे पहले इस महीने दो स्विच नीलामियां हो चुकी हैं, जिनमें कुल 84,804 करोड़ रुपये के बॉन्ड का लेन-देन हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार यह रणनीति सरकार को ऋण प्रबंधन में आसानी देती है और बाजार पर अचानक बोझ को कम करती है।

पीयूष गोयल ने वैश्विक व्यापार और युवा शक्ति को भारत की विकास यात्रा की कुंजी बताया

- भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे

मुंबई ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने 38 देशों के थ नौ मुक्त व्यापार समझौते पूरे किए हैं।

इन समझौतों से भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के दो-तिहाई हिस्से तक प्राथमिकता के साथ पहुंच मिली है। गोयल ने कहा कि इससे भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे और भारत वैश्विक मूल्य शृंखलाओं से बेहतर जुड़ पाएगा। मुंबई में आयोजित ईवाय इंटरपेन्योर आफ द ईयर अवार्ड के 27वें संस्करण में संबो धित करते हुए बताया कि 'आत्मनिर्भर भारत' का अर्थ वैश्विक जुड़ाव के साथ मजबूत और भरोसेमंद आपूर्ति शृंखलाएं तैयार करना है। उन्होंने उद्योगपतियों और उद्यमियों से अपील की कि वे वैश्विक अवसरों को एमएसएमई, किसानों, निर्यातकों और मछुआरों तक पहुंचाएं। गोयल ने कहा कि भारत की युवा शक्ति और कुशल मानव संसाधन देश की विकास गाथा के केंद्र में हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों और उद्योग नेताओं से बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जुनून, नवाचार और प्रतिभा भारत की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी ताकत हैं।

एआई पर उठ रही चिंताओं के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा बल्कि बदल देगा। भारत हर साल लगभग 23 लाख एसटीईएम स्नातक तैयार करता है, जिससे युवाओं का बड़ा और अनुकूलनशील प्रतिभा भंडार तैयार है।

गोयल ने कहा कि एआई भारतीय व्यवसायों के लिए नए अवसर, मूल्यवर्धित काम, मजबूत निर्यात और वैश्विक एकीकरण लाएगा। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और सिस्टम गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी। कार्यक्रम में उन्होंने देशभर के प्रमुख उद्यमियों और स्टार्टअप संस्थापकों को पुरस्कार वितरित किए और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए सहयोग की अपील की।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में आएगी टाटा सिएरा ईवी

नई दिल्ली।

फ्यूचरिस्टिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बाजार में आएगी। इससे पहले टाटा केवल इतना संकेत देती रही थी कि सिएरा ईवी अगले साल कभी भी लॉन्च हो सकती है, लेकिन अब पहली बार इसकी लॉन्चिंग को लेकर स्पष्ट समयरेखा सामने आ गई है। फिलहाल कंपनी ने सिएरा ईवी के आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स को गोपनीय रखा है और सिर्फ कुछ स्पाई शॉट्स ही सार्वजनिक हुए हैं। ऑटो सेक्टर की रिपोर्टों के अनुसार इसका प्लेटफॉर्म, पावरट्रेन और कई तकनीकी तत्व कर्व ईवी के साथ साझा किए जा सकते हैं, हालांकि फीचर्स, स्पेस और प्रीमियम अपील के मामले में सिएरा को कर्व ईवी से ऊपर पोजिशन किया जाएगा। इंडस्ट्री विशेषज्ञ मान रहे हैं कि नई पंच ईवी की एडवांस्ड बैटरी टेक्नोलॉजी को देखते हुए, सिएरा ईवी में भी बड़ा बैटरी पैक और बेहतर रियल-वर्ल्ड रेंज मिलने की पूरी संभावना है, जिससे यह मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में मजबूत दावेदार बन सकती है। सिएरा ईवी भारत में टाटा की सातवीं इलेक्ट्रिक कार होगी, जिससे कंपनी का ईवी पोर्टफोलियो और अधिक व्यापक हो जाएगा। टाटा पहले ही देश में सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं में शामिल है, और सिएरा ईवी उसके इलेक्ट्रिक बदलाव को नई दिशा दे सकती है।

इंटीरियर की बात करें तो इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप मिलने की उम्मीद है, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बड़ा इंफोटेनमेंट डिस्प्ले और पैसेंजर के लिए अलग स्क्रीन शामिल होगी। बेस मॉडल से ही इसे फीचर-रिच बनाने की योजना है। उच्च वेरिएंट्स में लेवल-2 अडास, कनेक्टेड कार फीचर्स, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, पावर्ड सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और प्रीमियम ऑडियो सिस्टम जैसे एडवांस फीचर्स मिलने की उम्मीद है। पैनोरमिक ग्लास रूफ और उच्च गुणवत्ता वाले इंटीरियर मटीरियल इसे और प्रीमियम बनाएंगे। एक्सटीरियर में भी ईवी-स्पेसिफिक अपग्रेड देखने को मिलेंगे, जैसे क्लोज्ड फ्रंट डिज़ाइन, फुल-विड्थ एलईडी डीआरएल, स्प्लिट हेडलैंप, स्क्वायर्ड व्हील आर्च और कनेक्टेड एलईडी टेललैंप्स।

मारुति सुजुकी जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मारुति सुजुकी जिम्नी ऑफ-रोड एसयूवी ने अपनी पहचान मजबूती से स्थापित कर ली है। मारुति सुजुकी ने जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की है, जिससे यह मॉडल एक बार फिर वैश्विक चर्चा का केंद्र बन गया है। ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जहां पिछले साल केवल 1,958 यूनिट्स निर्यात किए गए थे, वहीं इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 7,970 यूनिट्स तक पहुंच गया है, जो किसी भी मॉडल के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। जिम्नी की अंतरराष्ट्रीय सफलता के पीछे इसकी अनोखी खूबियां हैं। कॉम्पैक्ट लेकिन दमदार डिजाइन, 4गुणा4 ऑफ-रोड क्षमता, हल्की बॉडी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस इसे एडवेंचर पसंद करने वालों की पहली पसंद बनाते हैं। कई देशों में कॉम्पैक्ट और हार्डकोर ऑफ-रोड एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है, और जिम्नी इस कमी को पूरी तरह पूरा कर रही है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भारत में जिम्नी का निर्माण कर उसे लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और अन्य वैश्विक बाजारों में निर्यात कर रही है।

इससे भारत सुजुकी के लिए एक बड़े मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब के रूप में उभरा है, जहां तैयार होने वाले मॉडल विदेशी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। हालांकि, घरेलू बाजार में जिम्नी की बिक्री उतनी मजबूत नहीं है। भारत में एसयूवी सेगमेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा है, जहां ग्राहक अधिक फीचर्स, ज्यादा स्पेस और बेहतर वैल्यू की उम्मीद करते हैं। जिम्नी की ऑफ-रोड क्षमता उसकी सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन रोजमर्रा की शहरी जरूरतों के हिसाब से कई खरीदार अन्य विकल्पों की ओर रुख कर लेते हैं। इसके बावजूद, एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की छलांग यह साफ संकेत देती है कि जिम्नी का ग्लोबल क्रेज अभी भी बरकरार है।

सरकारी खर्च से पावर सेक्टर में तेजी, निजी उद्योग अब भी सुस्त

- मजबूत ऑर्डर बुक और बढ़ते मार्जिन पर ब्रोकरेज का बड़ा दांव

नई दिल्ली ।

देश में पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) की रफ्तार इस समय दो अलग तस्वीरें पेश कर रही है। एक ओर पावर ट्रांसमिशन से जुड़ी हाई वोल्टेज कंपनियां रिकॉर्ड प्रदर्शन कर रही हैं, वहीं गैर-विद्युत औद्योगिक कंपनियों की चाल अब भी धीमी बनी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियों के नए ऑर्डर में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बिक्री 39 प्रतिशत बढ़ी है। इन कंपनियों का मुनाफा मार्जिन बढ़कर 20.3 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष से 5.4 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने 2022 से 2032 के बीच ट्रांसमिशन क्षेत्र में 9.15 लाख करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है।

इसके तहत 8 से 10 बड़े हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। तीन कॉरिडोर के लिए उपकरणों का काम पहले ही तय हो चुका है। अनुमान है कि 2027 से नए ऑर्डर में और तेजी आएगी तथा 2030 तक मांग मजबूत बनी रह सकती है। वित्त वर्ष 2027 के बजट में 12.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का प्रावधान किया गया है, जो पहले के अनुमान से 12 प्रतिशत अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार फैक्ट्रियों की क्षमता उपयोग दर 77.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो निजी निवेश के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है। हालांकि गैर-बिजली औद्योगिक कंपनियों की बिक्री में सिर्फ 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और उनका मुनाफा मार्जिन घटकर 11.7 प्रतिशत रह गया है। नए ऑर्डर में 26 प्रतिशत की बढ़त जरूर दर्ज की गई है, जो धातु, तेल-गैस, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों से आई है। इसके बावजूद पारंपरिक औद्योगिक निवेश में व्यापक तेजी अभी बाकी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 विश्वकप सुपर-8 : दक्षिण अफ्रीका का अजेय अभियान जारी, वेस्टइंडीज को रौंदकर सेमीफाइनल में मारी एंट्री

अहमदाबाद (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडेन मारक्रम (नाबाद 82 रन) के अर्धशतक के साथ उनकी दो साझेदारियों से बृहस्पतिवार को यहां सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी में भी कमाल किया। टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति की बदौलत जीत की लय जारी रखी।

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए

यह उनकी लगातार छठी जीत थी जिससे उन्होंने टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज के अजेय क्रम पर लगाम लगाई। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए जिससे मेजबान भारत की अब क्वालीफिकेशन की उम्मीदें मजबूत हो गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से भारत की उम्मीदों को झटका लगा था। इस हार से कैरेबियाई टीम के नेट रन रेट पर असर पड़ा जो 5.350 से घटकर 1.791 हो गया।

दक्षिण अफ्रीका की सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की की

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने पहले दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरा जिसने निचले क्रम के बल्लेबाज रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 52) और जेसन होल्डर (49) के बीच रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत वापसी करते हुए आठ विकेट पर 176 रन बनाए। फिर दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान मारक्रम (46 गेंद, सात चौके, चार छक्के) के अर्धशतक और क्विंटन डिकॉक (47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 95 रन की भागीदारी और रेयान रिकलटन (नाबाद 45 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 82 रन की अटूट साझेदारी से 16.1 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले के छह ओवर में 69 रन बनाकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने नियंत्रण बनाए रखा। मारक्रम और डिकॉक ने तेज गेंदबाजों और स्पिनर दोनों पर आराम से रन जुटाकर शानदार साझेदारी की। डिकॉक ने 24 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। लेकिन वह लांग ऑन पर जेसन होल्डर को कैच देकर आउट हो गए। मारक्रम ने गुडाकेश मोती की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। रिकलटन क्रीज पर उतरे और उन्होंने मारक्रम का अच्छा साथ निभाया। मारक्रम ने जेसन होल्डर की गेंद पर सीधा चौका लगाकर मैच स्टाइल से खत्म किया।

इससे पहले पिछले मैच में जिम्बाब्वे पर शानदार जीत दर्ज करने वाली वेस्टइंडीज ने सात ओवर के अंदर 60 रन में पांच विकेट गंवा दिए थे।

इसमें दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा (22 रन देकर दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (30 रन देकर तीन विकेट) ने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय सात विकेट पर 83 रन था लेकिन शेफर्ड (37 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) और होल्डर (31 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) ने मिलकर आठवें विकेट के लिए 57 गेंद में 89 रन की रिकॉर्ड साझेदारी करके टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने स्पिनर केशव महाराज से शुरूआत कराई लेकिन कप्तान शाई होप (16) ने शुरू में ही जोश दिखाते हुए दो छक्के और एक चौका लगा दिया। दूसरे छोर पर ब्रैंडन किंग (21 रन) ने मार्को यानसेन के बाउंड्री लगाई जिससे वेस्टइंडीज ने दो ओवर में 29 रन बना लिए। पर इसके बाद शीर्ष क्रम के चरमराने के सिलसिला शुरू हुआ। रबाडा ने होप को कैच आउट कराया।

फिर शिमरोन हेटमायर (02) भी आउट हो सकते थे लेकिन कॉर्बिन बॉश ने मिड-ऑन पर उनका कैच छोड़ दिया। हालांकि रबाडा ने तीन गेंद बाद हेटमायर को पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद फॉर्म में चल रहे एनगिडी ने चौथे ओवर में दोहरा झटका दिया। किंग ने उन पर लगातार दो चौके लगाने के बाद कैच आउट हो गए। फिर दो गेंद बाद एनगिडी ने रोस्टन चेस (02) के स्टंप उखाड़ दिए। इस तरह वेस्टइंडीज ने 10 गेंद के अंदर चार विकेट खो दिए थे और चार ओवर के बाद उनका स्कोर चार विकेट पर 44 रन था। शेरफाने रदरफोर्ड (12) ने थोड़ी कोशिश की और बॉश की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से एक लंबा छक्का लगाया लेकिन अगली ही गेंद पर विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को कैच देकर आउट हो गए।

एनगिडी ने तीसरा विकेट रोवमैन पॉवेल (09) के रूप में लिया जिससे वेस्टइंडीज ने 71 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। मैथ्यू फोर्ड (11) एक छक्का लगाने के तुरंत बाद बॉश का दूसरा शिकार बने। फिर लग रहा था कि वेस्टइंडीज की टीम जल्द ही सिमट जाएगी, होल्डर और शेफर्ड ने टीम को संभाला। होल्डर ने अंत में यानसेन के एक ओवर में 22 रन बनाए। लेकिन वह अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर रन आउट हो गए।

मियोमिर केकमानोविच ने ज्वेरेव को चौंकाया, मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे

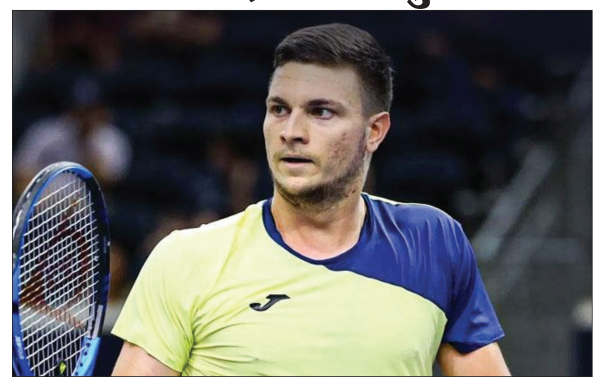

अकापुल्को (मेक्सिको) (एजेंसी)। मियोमिर केकमानोविच ने दुनिया के नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में चौंका दिया और अपनी पहली टॉप 5 जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही वह मेक्सिको के अकापुल्को में एबिएर्तो मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए। दुनिया में 84वें नंबर पर काबिज 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी ने ढाई घंटे से ज़्यादा चले कड़े मुकाबले में 2021 के चैंपियन को 6-3, 6-7(3), 7-6(4) से हराया।

केमानोविच, जो टॉप 5 विरोधियों के खिलाफ अपने पिछले सभी 11 मैच हार चुके थे, ने अपने करियर के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक दिया, और यादगार जीत पक्की करने के लिए निर्णायक टाई-ब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा। मैच के बाद केकमानोविच ने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पिछले कुछ साल मुश्किल रहे हैं। इसलिए मैं खुश हूं कि आखिरकार कुछ चीजें मेरे हिसाब से हो रही हैं।'

उन्होंने खास मौकों पर अग्रेसिव तरीके से खेला और असरदार सर्व किया, जबकि ज्वेरेव अपने बैकहैंड पर कंसिस्टेंसी के लिए जूझते रहे, उन्होंने 17 अनफोर्स्ड 'गलतियां कीं, जबकि केकमानोविच ने छह गलतियां कीं। इस जीत के साथ, केकमानोविच ने जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-2 से बराबर कर लिया और एटीपी 500 इवेंट के आखिरी आठ में पहुंच गए, जहां उनका सामना फ्रांस के टेरेंस एटमाने से होगा, जिन्होंने राफेल जोडार को 6-2, 4-6, 6-1 से हराया।

दूसरे मैचों में पांचवीं सीड फ्लेवियो कोबोली ने डालिबोर स्वर्सिना को 6-4, 6-4 से हराया और अब उनका अगला मैच चीन के वू यिबिंग से होगा जिन्होंने जापान के शो शिमाबुकुरो को 6-3, 7-6(4) से हराया। इस बीच अमेरिकन ब्रैंडन नाकाशिमा ने अपने ही देश के पैट्रिक किप्सन को 6-4, 6-4 से हराकर अपनी 100वीं टूर-लेवल हार्ड-कोट 'जीत दर्ज की। किप्सन ने इससे पहले पिछले राउंड में दूसरे सीड एलेक्स डी मिनौर को चौंका दिया था।

टी20 विश्वकप सेमीफाइनल से अब कौन सी टीम बाहर होगी ?

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्वकप सुपर-8 से अब तक एक टीम श्रीलंका बाहर हो गयी है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। वहीं अब एक और टीम का बाहर होना तय है। ये मुकाबला मैच ग्रुप-1 में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम के प्रशंसक वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की जीत चाहेंगे क्योंकि इससे भारतीय टीम के सेमीफाइनल की उम्मीदें बनी रहेंगी।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज, दोनों का रनरेट बहुत अच्छा है। ऐसे में इस मुकाबले की विजेता टीम के पास सेमीफाइनल में पहुंचने का अच्छा अवसर है।

ग्रुप-1 की अंकतालिका पर नजर डालें तो चारों टीमों ने अपना एक-एक सुपर 8 मैच खेल लिया है। वेस्टइंडीज दो अंक और सबसे बेहतर रनरेट प्लस 5.350) के साथ नंबर-1 पर बनी हुई है। उसने जिम्बाब्वे को 107 रनों से हराया था। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका की टीम के भी दो अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका का रनरेट प्लस 3.800 है। भारत के खिलाफ जीत के साथ ही उसे दो अंक मिले थे। वहीं भारत और जिम्बाब्वे को टीमें अपना-अपना पहला सुपर 8 मैच हारकर तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।भारत का रनरेट -3.800 है, जबकि जिम्बाब्वे का रनरेट -5.350 है। भारत और जिम्बाब्वे के मुकाबले में हारने वाली टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में वापसी करने को तैयार हरमनप्रीत

होबर्ट (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुरुवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के साथ वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में 6 विके से हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में मेजबान टीम तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर भी फिट हो गयी हैं। हरमनप्रीत को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि हरमनप्रीत अब ठीक है और खेलने जा रही हैं। पहले एकदिवसीय में बल्लेबाजी के दौरान घुटने में चोट लगने से हरमनप्रीत मैदान पर नहीं लौट पाई थीं, जिससे टीम की चिंताएं बढ़ गई थीं।

वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड

(बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि हरमनप्रीत को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी थी और मेडिकल स्टाफ उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। कप्तान के नहीं होने से उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली। वहीं अब अब कप्तान की वापसी से प्रबंधन को भी राहत मिली है।

पहले मुकाबले में भारतीय टीम 48.3 ओवर में 214 रन ही बना पायी थी जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट शेष रहते 38.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली थी। अब भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा।

दीप्ति ने कहा कि टीम ने पहले एकदिवसीय में अच्छा प्रदर्शन किया था हालांकि टीम जीत हासिल करने में सफल नहीं रही। उन्होंने कहा कि टीम दूसरे मुकाबले में और प्रयास करेगी। साथ ही कहा कि टीम अपनी पिछली गलतियों से उबरकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज से पहले शानदार प्रदर्शन कर टी20 सीरीज जीती थी और उसी प्रदर्शन से टीम प्रेरित होकर उतरेगी। भारतीय टीम जानती है कि ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ निरंतरता बनाए रखना उसके लिए आसान नहीं रहेगा।

इंग्लैड–न्यूजीलैंड मैच पर टिकीं पाकिस्तान की संभावनाएं

कोलंबो । न्यूजीलैंड की श्रीलंका के खिलाफ जीत से न केवल सह मेजबान श्रीलंकाई टीम आईसीसी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल से बाहर हो गयी है बल्कि इससे पाकिस्तान की संभावनाएं भी घटी हैं। न्यूजीलैंड की टीम अब प्लस 3.050 के रन रेट से अंक तालिका में काफी आगे बढ़ गयी है। ऐसे में पाक टीम के सेमीफाइनल की संभावनाएं अब दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर हो गयी है। पाक टीम अब उम्मीद करेगी कि हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में न्यूजीलैंड को हरा दे। इस मुकाबले में अगर इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है, तो पाकिस्तान के पास अपने अंतिम मैच में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर रहेगा। इस दौरान पाक टीम चाहेगी कि न्यूजीलैंड की हार और उनकी अपनी जीत का अंतर इतना बड़ा हो कि वह न्यूजीलैंड का नेट रन रेट (प्लस 3.050 को पीछे छोड़ सके। पाक टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ उसे बड़ी हार नहीं मिली थी। ऐसे में उसका नेट रन रेट अभी भी अच्छा बना हुआ है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अधिक प्रयोग से बचे भारतीय टीम : पोंटिंग

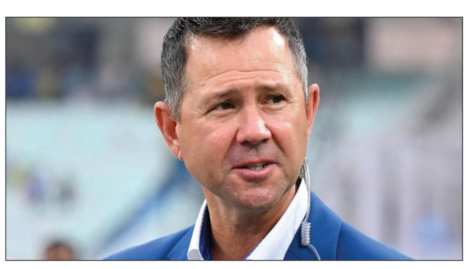

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले सुपर–8 मुकाबले को देखते हुए एक अहम सलाह दी है। पोंटिंग का कहना है कि इस मैच में भारतीय टीम को अधिक बदलाव नहीं करते हुए वहीं अंतिम ग्यारह उतारनी चाहिये जो अबतक तक खेलती आई है। पोंटिंग के अनुसार अधिक प्रयोग कि रणनीत नुकसानेह साबित हो सकती है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बड़े टूर्नामेंट में स्थिरता और संतुलन से ही जीत मिलती है। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में अपना संयोजन बदला था जिससे उसे काफी नुकसान हुआ था। उस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजी होने के कारण उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को अवसर दिया था पर ये प्रयोग विफल रहा। उस मैच में सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही विफल रहे थे। पोंटिंग ने कहा कि केवल विरोधी टीम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण ही बदलाव नहीं किया जाना चाहिये। इस कारण अक्षर को बाहर रखना सही फैसला नहीं था। उनके अनुसार कप्तान को अपनी समझ के अनुसार गेंदबाजों का सही समय पर इस्तेमाल करना चाहिये। पोंटिंग का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट में जरुरत से अधिक रणनीतिक बदलाव कभी–कभी विपरीत प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अब सरल सोच अपनानी चाहिए और अपनी सबसे संतुलित टीम मैदान में उतारनी चाहिए।दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण के सामने भारतीय बल्लेबाजी बेबस नजर आयी थी। मार्को जेनसन और केशव महाराज ने उस मैच में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था।

टी20 विश्वकप सुपर-8 में आज इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी न्यूजीलैंड

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ जीत से उत्साहित न्यूजीलैंड की टीम शुक्रवार को यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 मैच में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। कीवी टीम के स्पिनरों ने श्रीलंकाई टीम के खिलाफ काफी अच्छी गेंदबाजी की थी और वह यही सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ भी जारी रखना चाहेगी। कीवी टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर काफी अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ भी टीम को मिलेगा। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम पहले ही अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर सेमीफाइनल के लिए लय बनाये रखना रहेगा। कप्तान हैरी ब्रुक के अलावा उसके उन्य बल्लेबाज पिछले सुपर-8 मैच में पाकिस्तान के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में वे अपना फार्म हासिल करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत के बाद न्यूजीलैंड का नेट रन रेट काफी अच्छा प्लस 3.050 हो गया है। ऐसे में इस मैच में जीत के साथ वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी पर अगर वह मामुली अंतर से हारती भी है तो भी उसकी सेमीफाइनल की संभावनाएं बनी रहेंगी। वहीं इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट माइनस 0.461 हो गया है। ऐसे में पाक टीम नेट रन रेट

में तभी आगे निकल सकती है जब न्यूजीलैंड को मैच में बड़ी हार मिले। न्यूजीलैंड की टीम जिस प्रकार श्रीलंका के खिलाफ छह स्पिनरों के साथ सहजता से उतरी थी उससे तय है कि इस मैच में भी वह उसी टीम के साथ उतरेगी।

इस मैच में न्यूजीलैंड के स्पिनरों और इंग्लैंड के बल्लेबाजों के बीच रोमांचक मुकाबला होना तय है। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों ने ही पाक स्पिनरों साइम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान के सामने काफी अच्छी बल्लेबाजी की थी और उनका लक्ष्य कीवी टीम के खिलाफ इसी प्रदर्शन को बनाये रखना रहेगा हालांकि ये इतना आसान नहीं रहेगा क्योंकि कीवी स्पिनर मिचेल सैंटनर, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स और कोल मैकॉन्ची प्रेमदासा स्टेडियम की पिच पर कहर ढ़ा सकते हैं।

ब्रूक अच्छी फॉर्म में हैं पर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का फार्म में नहीं होना इंग्लैंड के लिए चिन्ताजनक है। टीम को अपने गेंदबाजों विल जैक्स और लियाम डॉसन से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। प्रेमदासा की पिच पर अगर स्पिनर गेंदबाजी कर रहे हों तो 165 से 175 रन भी काफी अच्छे माने जाएंगे।

वहीं न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रविंद्र का मानना है कि उनका स्पिन आक्रमण अच्छा है पर इंग्लैंड को कम आंकना भूल होगी। रविंद्र ने कहा, इस तरह के मुकाबले में खेलने के लिए हमेशा ही आत्मविश्वास बनाये रखना होता है क्योंकि हमें अंदाजा है कि पिच कैसी होगी पर मुझे लगता है कि किसी भी समय इंग्लैंड को कम करके आंकना गलती होगी।

विरोध टीम काफी अच्छी है। उनके गेंदबाज अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं और उनके पास बल्लेबाजी क्रम में विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं। साथ ही कहा कि टी20 प्रारुप में कुछ भी हो सकता है जो टीम मैच के दिन अच्छा खेलेगी जीत उसकी की होगी। श्रीलंका के खिलाफ जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है जिसका लाभ उसे मिलेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार है

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, सैम करेन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, लाइक वुड

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन, कोल मैककॉन्ची, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, रचिन रविंद्र, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, इश सोढ़ी।

विनीसियस के गोल से रियाल मैड्रिड बेनफिका को हराकर अंतिम 16 में पहुंची

मैड्रिड । विनीसियस जूनियर के गोल से रियाल मैड्रिड की टीम बेनफिका को 2–1 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल के अंतिम 16 में पहुंच गयी है। दूसरे चरण के इस मुकाबले में रियाल जीत के साथ ही अब 3–1 से आगे हो गयी है। उसने पहला चरण भी 1–0 से जीता था। दूसरे चरण में बेनफिका की ओर से 14वें मिनट में राफा सिल्वा ने गोल कर मुकाबला 1–1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं दो मिनट बाद ही ऑरेलियन चोउमेनी ने एक गोल कर रियाल को बढ़त दिला दी। मैच के 80वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने एक गोल कर स्कोर 2– । कर दिया। वहीं एक अन्य मुकाबले में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने मोनाको को 3–2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। दोनों टीमों के बीच दूसरा चरण 2–2 से बराबरी पर रहा, हालांकि पहले चरण में मिली बढ़त से पीएसजी को लाभ हुआ। एक अन्य मुकाबले में इटली की अटलांटा ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को दूसरे चरण में 4–1 से हराया। इस जीत के साथ ही अटलांटा अंतिम 16 में पहुंच गयी। एक अन्य मुकाबले में युवेंटस गैलाटासराय के खिलाफ दूसरे चरण में 3–2 से जीत के बाद भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी ।

पीएसजी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल में मोनाको को हराकर अगले दौर में जगह बनायी

पेरिस । पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) क्लब यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल में जीत के साथ ही अंतिम–16 में पहुंच गयी है। पीएसजी ने प्ले–ऑफ के दूसरे लेग में एएस मोनाको के साथ 2–2 से ड्रॉ खेलते हुए कुल 5–4 की बढ़त के साथ ही अंतिम–16 में जगह बनायी है। इस मुकाबले के पहले हाफ से ही मोनाको ने अच्छी शुरुआत करते हुए एक गोल दागकर 1–0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं दूसरे हाफ में पीएसजी के कप्तान

मार्क्विनहोस ने डेसिरे डूए के क्रॉस पर गोल दागकर अपनी टीम को 1–1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने एक गोल कर टीम को 2–0 से आगे कर दिया। वहीं मोनाको के स्थानापन्न खिलाड़ी जॉर्डन टेजे ने अतिरिक्त समय में गोल कर मुकाबले को 2–2 से बराबरी पर लाकर एक बार फिर रोमांचक बना दिया। अंत में पीएसजी ने 5–4 की बढ़त हासिल करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। वहीं पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, हम काफी कठिन टीमों से खेलना पड़ा है। अब हमें चेल्सी और बार्सिलोना जैसी बेहतरीन टीमों से खेलना है। इस इस प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार हैं। वहीं एक अन्य मुकाबले में गैलाटसराय ने जुवेंटस को वापसी नहीं करने दी और 7–5 के कुल स्कोर से राउंड ऑफ 16 में जगह बनायी। गैलाटसराय एस.के. ने जुवेंटस एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले लेग के बाद तीन गोल से पिछड़ने के बावजूद मेजबान टीम ने हार नहीं मानी और मुकाबले को अतिरिक्त समय तक खींच लिया।

टी20 विश्व कप : अभिषेक को ब्रेक देता, अहम मुकाबले से पहले पूर्व बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में भारत के लिए ज़िम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला करो या मरो जैसा बन गया है। चेन्नई के चेपॉक में होने वाले इस अहम मैच से पहले पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को मौका दिया जाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार के बाद टीम इंडिया पर दबाव बढ़ गया है और हर चयन अब निर्णायक साबित हो सकता है।

सहवाग की स्पष्ट सलाह: अभिषेक को दें ब्रेक

वीरेंद्र सहवाग ने साफ कहा कि इतने महत्वपूर्ण मैच में फॉर्म को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, यदि वह टीम मैनेजमेंट

का हिस्सा होते तो अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को आजमाते। अभिषेक का मौजूदा टूर्नामेंट बेहद निराशाजनक रहा है। ग्रुप स्टेज में वह लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए और सुपर 8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 12 गेंदों में 15 रन बना सके। बीमारी और लय की कमी ने उनके आत्मविश्वास पर भी असर डाला है।

नेट रन रेट और दबाव की स्थिति

टी20 विश्व कप में भारत की स्थिति फिलहाल अस्थिर है। दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की हार के बाद टीम का नेट रन रेट -3.800 तक गिर गया है। यदि वेस्ट इंडीज अपने मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराता है, तो समीकरण और जटिल हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में कप्तान Suryakumar Yadav की अगुवाई वाली टीम को न सिर्फ जीत दर्ज करनी होगी, बल्कि बड़े अंतर से जीत की कोशिश भी करनी पड़ेगी। हर चयन और रणनीति टूर्नामेंट में बने रहने के लिहाज से अहम हो गई है।

क्या रणनीति में बदलाव जरूरी है?

सहवाग ने टीम की रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि समस्या टैक्टिक्स में नहीं, बल्कि क्रियान्वयन में रही है। उनके मुताबिक चयन में कुछ बदलाव हो सकते हैं, लेकिन असली जरूरत बेहतर प्रदर्शन की है। Tilak Varma भी इस टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टॉप और मिडिल ऑर्डर की नाकामी ने मध्यक्रम पर अतिरिक्त दबाव डाला है। यही कारण है कि चयन को लेकर बहस तेज हो गई है।

मिडिल ऑर्डर की चुनौती

अभिषेक और तिलक की संघर्षपूर्ण फॉर्म के कारण टीम का संतुलन प्रभावित हुआ है। बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने भी ज़िम्बाब्वे मुकाबले से पहले इस मुद्दे को स्वीकार किया था और सुधार की जरूरत पर जोर दिया था। यदि टॉप ऑर्डर जल्दी आउट होता है, तो मिडिल ऑर्डर पर रन गति बनाए रखने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसे में अनुभवी विकल्प के तौर पर संजू सैमसन को शामिल करना एक रणनीतिक कदम हो सकता है।

चेपॉक में निर्णायक परीक्षा

चेन्नई की पिच स्पिन और धीमी गेंदबाज़ी के लिए जानी जाती है, जहां शॉट चयन और धैर्य अहम भूमिका निभाते हैं। टीम मैनेजमेंट को यह तय करना होगा कि क्या युवा खिलाड़ियों को एक और मौका दिया जाए या अनुभव को प्राथमिकता दी जाए।

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह मुकाबला सिर्फ एक लीग मैच नहीं, बल्कि भारत के टी20 वर्ल्ड कप अभियान का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। सहवाग की सलाह ने चयन पर बहस को और तेज कर दिया है, और अब सबकी नजरें प्लेइंग इलेवन पर टिकी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण-पूर्वी ब्राजील में भीषण बाढ़, कम से कम 25 की मौत, सैकड़ों लोग विस्थापित

जुइज़ डी फोरा, एजेंसी। ब्राजील के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में आई भीषण बाढ़ में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों लोग लापता बताए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार सबसे ज्यादा प्रभावित मिनास गेरैस प्रांत में हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने आने वाले दिनों में और बारिश की चेतावनी दी है। मूसलाधार बारिश सोमवार को जुइज़ डी फोरा और उबा शहरों में शुरू हुई, जो रियो डी जनेरियो से लगभग 310 किलोमीटर उत्तर में स्थित हैं। भारी वर्षा के कारण करीब 440 लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। मिनास गेरैस के अग्निशमन विभाग ने बताया कि सोमवार देर रात से अब तक 43 लोग लापता हैं और उनकी तलाश जारी है। विभाग द्वारा जारी वीडियो में दोनों शहरों की जलमग्न सड़कें दिखाई गईं, जहां एक नदी ने अपना मार्ग बदल लिया।

100 साल पुराने रेस्तरां वीरास्वामी को बचाने की मांग बकिंघम पैलेस पहुंची, 20 हजार लोगों ने किया समर्थन

लंदन, एजेंसी। लंदन के प्रसिद्ध भारतीय रेस्तरां वीरास्वामी को बंद होने से बचाने की मांग अब बकिंघम पैलेस तक पहुंच गई है। 20 हजार से अधिक लोगों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर कर किंग चार्ल्स तृतीय से हस्तक्षेप की अपील की है। रेस्तरां के कर्मचारी और समर्थक पैलेस के बाहर इकट्ठा हुए और अपनी मांग रखी। याचिका की एक प्रति क्राउन एस्टेट को भी सौंपी गई, जो रीजेंट स्ट्रीट स्थित विक्ट्री हाउस इमारत का मालिक है। इसी इमारत में वीरास्वामी पिछले करीब 100 साल से संचालित हो रहा है। प्रबंधन का कहना है कि रेस्तरां मार्च 1926 में शुरू हुआ था और यह भारत-ब्रिटेन सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक बन चुका है। यहां कई प्रसिद्ध हस्तियां भोजन कर चुकी हैं। क्राउन एस्टेट का कहना है कि इमारत में बड़े स्तर पर मरम्मत की जरूरत है और जगह का उपयोग कार्यालय के रूप में किया जाएगा। रेस्तरां संचालित करने वाली कंपनी ने अपने किरायेदारी अधिकार बचाने के लिए कानूनी कदम उठाए हैं। मामले में अंतिम फैसला जुलाई 2026 तक आने की उम्मीद है।

नेपाल में आम चुनाव के लिए 3 दिन होगी सार्वजनिक छुट्टी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव के मद्देनजर देश में तीन दिवसीय सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर 4, 5 और 6 मार्च को अवकाश रहेगा। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नेपाल के मधेस प्रांत से लगी भारतीय सीमा को मतदान संपन्न होने तक 72 घंटों के लिए पूरी तरह सील करने का निर्णय लिया गया है। भारत और नेपाल के सुरक्षा अधिकारियों के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद यह तय हुआ कि बारा और पर्सा जिलों से सटे सीमा बिंदु 3 मार्च से बंद रहेंगे। पिछले वर्ष के राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद यह नेपाल का पहला चुनाव है। कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने निष्पक्ष चुनाव का भरोसा जताते हुए इसे लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनिवार्य बताया है।

बांग्लादेश में राष्ट्रपति को फिर मिला प्रेस विंग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नई सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के कार्यालय में दोबारा प्रेस विंग स्थापित कर दिया। राष्ट्रपति का प्रेस विंग इससे पहले अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यकाल में समाप्त कर दिया गया था। लोक प्रशासन मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मोहम्मद सरवर आलम को बंगभवन राष्ट्रपति भवन में फिर से प्रेस सचिव नियुक्त किया गया है। वह कार्यभार संभालने की तारीख से एक वर्ष तक इस पद पर रहेंगे। सरवर आलम वर्ष 2024 में सत्ता परिवर्तन के समय भी प्रेस सचिव थे, लेकिन यूनुस की अंतरिम सरकार ने उनकी संविदा नियुक्ति को समाप्त कर दिया था। इसी के साथ राष्ट्रपति के उप-प्रेस सचिव और सहायक प्रेस सचिव के पद भी खत्म कर दिए गए थे। इसके अलावा, बंगभवन में करीब 30 वर्षों से कार्यरत दो फोटोग्राफरों को भी हटा दिया गया था।

खैबर पख्तूनख्वा से पंजाब प्रांत तक आतंक का साया, पुलिस वैन पर हमले से सात की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके में पुलिस पर हुए दोहरे हमले ने सुरक्षा हालात पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में संदिग्ध आतंकियों ने पुलिस वाहनों को निशाना बनाकर घात लगाकर हमला किया। इस हमले में कम से कम छह पुलिसकर्मियों और एक आम नागरिक की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पहला हमला कोहाट में एक पुलिस वाहन पर किया गया, जिसमें एक अधिकारी की मौके पर ही मौत हो गई।

अमेरिकी संसद में ट्रम्प फिर बोले- भारत-पाक युद्ध रुकवाया

गाजा सीजफायर को जीत बताया, ईरान पर 32000 प्रदर्शनकारियों को मारने का आरोप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह संसद में भाषण दिया। साल की शुरुआत में संसद में प्रेसिडेंट के भाषण को 'स्टेट ऑफ द यूनियन' स्पीच कहा जाता है। ट्रम्प ने 1 घंटा 50 मिनट के भाषण में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने ईरान पर हमला कर उसका न्यूक्लियर प्रोग्राम खत्म कर दिया। साथ ही 28 दिसंबर से 14 जनवरी के बीच महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 32 हजार प्रदर्शनकारियों को मारने का आरोप भी लगाया। अपने भाषण में ट्रम्प ने इजराइल-हमास के बीच गाजा सीजफायर को अपनी उपलब्धि कहा। वहीं वेनेजुएला पर कब्जे के करीब डेढ़ महीने बाद वहां तेल उत्पादन में बढ़ोतरी का दावा करते हुए उसे अमेरिका का नया दोस्त करार दिया।

भाषण की बड़ी बातें... चेतावनी: ट्रम्प ने बताया कि ईरान अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल बना सकता है। उन्होंने कहा ईरान ने पहले ही ऐसी मिसाइल बना ली हैं जो यूरोप और हमारे विदेशों में मौजूद ठिकानों के लिए खतरा हैं और वे ऐसी मिसाइलें बनाने पर काम कर रहे हैं जो जल्द ही अमेरिका तक पहुंच जाएंगी।

दावा: भारत-पाकिस्तान जंग में 3.5 करोड़ मौतें रोकीं। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से कहा कि दोनों देशों के बीच परमाणु जंग में 3.5 करोड़ लोगों के मारे जाने की आशंका थी। हालांकि, भारत इस दावे को हमेशा खारिज करता आया है।

ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम: ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम को खत्म दिया गया है।

गाजा संघर्ष विराम: ट्रम्प ने गाजा में इजराइल-हमास सीजफायर को कामयाब बताया, जिससे सभी इजराइली बंधक रिहा हो गए।

महंगाई और कीमतें: ट्रम्प ने कहा कि महंगाई के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं और उनकी नीतियों से कीमतें तेजी से नीचे आ रही हैं।

सोमाली समुदाय और धोखाधड़ी: उन्होंने कहा कि सोमाली समुद्री लुटेरों ने रिश्वत, भ्रष्टाचार और अराजकता के जरिए मिनेसोटा को बर्बाद कर दिया।

ऑयल प्रोडक्शन: ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका में तेल का प्रोडक्शन रोज करीब 6 लाख बैरल से ज्यादा बढ़ा है।

टैरिफ और व्यापार नीति: ट्रम्प ने सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और नए 15% वैश्विक टैरिफ लागू करने की बात कही।

एनर्जी प्रोडक्शन और वेनेजुएला: ट्रम्प ने तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने की बात की और वेनेजुएला को अमेरिका का नया दोस्त बताया।

वॉर ऑन फ्राड: ट्रम्प ने कहा कि उनकी सरकार की तरफ से 'धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई' की लीडरशिप अब उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे। ट्रम्प ने कहा कि ईरान ऐसी मिसाइल डेवलप कर रहा है जो अमेरिका तक पहुंच सकती हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ने पहले ही ऐसी मिसाइल बना ली हैं जो यूरोप और हमारे विदेशों में मौजूद ठिकानों के लिए खतरा हैं और वे ऐसी मिसाइलें बनाने पर काम कर रहे हैं जो जल्द ही अमेरिका तक पहुंच जाएंगी। ट्रम्प का कहना है कि ईरान ने 32,000 प्रदर्शनकारियों को मार डाला। वह अमेरिका को युद्ध में ले जाना चाहता है। ट्रम्प बोले- ईरान का न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम खत्म किया ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने पिछले साल ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमला कर उसका न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम पूरी तरह खत्म कर दिया।

ट्रम्प ने कहा कि वे पहले कूटनीति से समस्या सुलझाना चाहते थे, लेकिन ईरान ने यह वादा नहीं किया कि वह नाभिकीय हथियार नहीं बनाएगा। उन्होंने कहा कि हमें वह सीक्रेट शब्द नहीं सुनाई दिए कि हम कभी एटमी हथियार नहीं बनाएंगे। ट्रम्प के भाषण के बीच कैपिटल के पास नेशनल मॉल में द पीपल्स स्टेट ऑफ द यूनियन नामक एक खुली रैली में कुछ डेमोक्रेटिक कांग्रेस सदस्य और कार्यकर्ता एकत्रित हुए हैं। आयोजकों ने पिछले सप्ताह कहा था कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य रिपब्लिकन प्रशासन की नीतियों का खामियों को उजागर करना है।

'जरूरी खनिजों पर चीन की पकड़ से रक्षा उद्योग को खतरा', अमेरिकी सांसदों ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में महत्वपूर्ण खनिजों और आधुनिक तकनीकी सप्लाई चेन्स को लेकर चिंता बढ़ रही है। अमेरिकी सांसदों ने चेतावनी दी है कि महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन का दबदबा संकट के समय में अमेरिकी रक्षा उद्योग को कमजोर कर सकता है। वहीं, पेंटागन ने घरेलू सप्लाई चेन के पुनर्निर्माण के लिए किए गए विवादित इक्विटी निवेश और मूल्य गारंटी का बचाव किया है।

'चीन पर अमेरिका की निर्भरता सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरी' : सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष रोजर विकर ने सप्लाई चेन के पुनर्निर्माण पर कांग्रेस की सुनवाई में कहा, 'यह कोई बढ़ा-चढ़ाकर कहना नहीं होगा कि महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन के पर अमेरिका की निर्भरता हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरियों में से एक है।' उन्होंने चेतावनी दी कि दुर्लभ धातुओं (रेयर अर्थ) के निर्यात में कटौती की धमकियों से अमेरिकी रक्षा उत्पादन घुटनों पर आ जाता और अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान होता। पेंटागन औद्योगिक नीति प्रमुख माइकल कैडेनाजी ने सीनेटरों को बताया कि यह जोखिम तत्काल है। उन्होंने कहा, 'यह कोई सैद्धांतिक जोखिम नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक स्पष्ट और मौजूदा खतरा है।' उन्होंने चेतावनी दी कि बीजिंग इन सप्लाई चेन को हथियार बना सकता है, जिससे हमारे डिफेंस इंडस्ट्रियल बेस में रुकावट आने और संकट में मिलिट्री की तैयारी से समझौता करने का खतरा है। कैडेनाजी ने बताया कि विभाग ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत और इंडस्ट्रियल बेस फंड के जरिए खनिज क्षेत्र में 97 करोड़ डॉलर का निवेश किया गया और अमेरिका एक व्यापक रणनीति पर काम कर रहा है, जिसमें उत्पादन को वापस लाना, सहयोगियों के साथ काम करना, रिसर्च और रीसाइक्लिंग में निवेश व राष्ट्रीय रक्षा भंडार का आधुनिकीकरण करना शामिल है। उन्होंने दुर्लभ धातुओं के उत्पादन को सुरक्षित करने के लिए 'एमपी मैटेरियल्स समझौते' का जिक्र किया। हालांकि, दोनों दलों के सांसदों ने पेंटागन पर कैलिफोर्निया में एमपी मटेरियल्स नाम की दुर्लभ धातु खनन कंपनी में 40 करोड़ डॉलर की लागत से 15 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी लेने पर सवाल उठाए। रैंकिंग मेंबर जैक रीड ने इस तरह के निवेश के कानूनी आधार पर सवाल उठाया और कहा कि डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट में 'इक्विटी निवेश का बिल्कुल भी जिक्र नहीं है।

अमेरिका हमले के लिए तैयार लेकिन तेहरान को अभी भी शांति की उम्मीद: ईरानी विदेश मंत्री

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सैन्य तैयारियों और बयानबाजी से लग रहा है कि अमेरिका, ईरान पर हमले के लिए तैयार है। हालांकि ईरान अभी भी शांति की बात कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक ताजा बयान में कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ जल्द से जल्द एक न्यायसंगत और बराबरी वाला समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास एक ऐतिहासिक मौका है, जिसके तहत वे एक ऐसा समझौता कर सकते हैं जैसा पहले कभी नहीं हुआ। अराघची ने यह बात सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखी। यह बयान तेहरान और वॉशिंगटन के बीच होने वाली तीसरे दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता से पहले आया है। यह वार्ता गुरुवार को जिनेवा में होने वाली है। दोनों देश पहले भी दो चरणों में बातचीत कर चुके हैं।

अराघची ने कहा, 'पिछले राउंड में बनी समझ के आधार पर, ईरान जिनेवा में अमेरिका के साथ बातचीत फिर से शुरू करेगा, इस पक्के इरादे के साथ कि वह कम से कम समय में एक सही और बराबर डील करेगा।' उन्होंने कहा, 'हमारे बुनियादी यकीन बिल्कुल साफ हैं, ईरान किसी भी हालत में कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा; न ही हम ईरानी अपने लोगों के लिए शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के फायदों का इस्तेमाल करने के अपने अधिकार को कभी छोड़ेंगे।' अराघची ने कहा कि दोनों पक्षों के पास एक ऐसा ऐतिहासिक मौका है, जिससे आपसी चिंताओं को दूर किया जा सके और साझा हितों को हासिल किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कूटनीति को प्राथमिकता दी जाए तो डील हो सकती है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई है। इसके साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच दो दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता हो चुकी है। इन वार्ताओं में ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई है। मंगलवार को ही, ईरान के राजनीतिक मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने कहा कि ईरान यूएस के साथ न्यूक्लियर एग्रीमेंट करने के लिए जो भी जरूरी होगा।

दावा- नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री ने आत्महत्या की कोशिश की

एपस्टीन फाइल में नाम आया था ; भ्रष्टाचार केस में 10 साल जेल हो सकती है

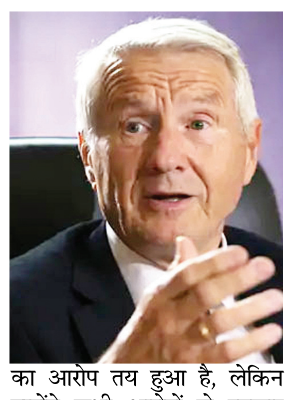

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री थोरब्योर्न जगलैंड को कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना पिछले हफ्ते हुई। कुछ खबरों में दावा किया गया कि नॉर्वेजियन एडिटर्स एसोसिएशन ने उनके वकील के साथ मिलकर इस मामले को सार्वजनिक न करने पर सहमति जताई थी। हालांकि कुछ मीडिया प्लेटफॉर्मस पर उनकी गंभीर हालत का हवाला देते हुए यह खबर सामने आई। यह पूरा मामला यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से उनके संबंधों को लेकर चल रही जांच से जुड़ा है। जगलैंड पर 'एग्रेवेटेड करप्शन' यानी गंभीर भ्रष्टाचार का भी आरोप है, जिसमें अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है। उनके वकील की फर्म एल्डेन लॉ फर्म ने सीएनएन को पुष्टि की कि उन पर गंभीर भ्रष्टाचार का आरोप तय हुआ है, लेकिन उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया है। क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी मामले की जांच कर रही नॉर्वे की आर्थिक अपराध जांच एजेंसी 'ओकोक्रिम' इस मामले की जांच कर रही है। एजेंसी के डायरेक्टर पॉल लोनसेथ ने कहा कि उनके खिलाफ जांच की मजबूत वजह मिली है। जांच के तहत ओस्लो स्थित उनके घर और दो अन्य प्रॉपर्टी की तलाशी ली गई। एजेंसी ने यह भी कहा कि वह इस बात की जांच कर रही है कि क्या उन्हें अपने पद के दौरान गिफ्ट, यात्राएं, कर्ज या अन्य फायदे मिले थे। तलाशी के बाद उन्हें औपचारिक रूप से संदिग्ध का दर्जा दे दिया गया है और अब उनसे पूछताछ की जाएगी। जगलैंड ने कहा था- एपस्टीन से रिश्ता गलत फैसला था जगलैंड 1996-1997 के बीच नॉर्वे के प्रधानमंत्री रहे। इसके अलावा वे विदेश मंत्री, नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी के चेयरमैन (2009-2015) और यूरोप की मानवाधिकार संस्था काउंसिल ऑफ यूरोप के महासचिव (2009-2019) भी रह चुके हैं। जगलैंड ने कहा है कि एपस्टीन से उनके संबंध 'गलत फैसला' या 'खराब समझ' का नतीजा थे, लेकिन उन्होंने कोई गैरकानूनी काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे और चाहते हैं कि सच्चाई पूरी तरह सामने आए। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से 30 जनवरी को जारी दस्तावेजों से पता चला कि जगलैंड और उनका परिवार कई बार एपस्टीन की पेरिस, न्यूयॉर्क और पाम बीच वाली प्रॉपर्टी पर गए थे। यह भी सामने आया कि एपस्टीन ने उनसे बड़े नेताओं, जैसे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कराने में मदद मांगी थी। साथ ही उसने कुछ अपने कारोबारी और वित्तीय प्लान आगे बढ़ाने के लिए भी मदद चाहता था। दस्तावेजों में जगलैंड को 'नोबेल बिग शॉट' कहा गया। इसमें यह भी लिखा था कि दोनों के रिश्ते ऐसे थे जिनमें एक तरफ जगलैंड का रसूख और पहचान काम आ रही थी, तो दूसरी तरफ एपस्टीन उन्हें लग्जरी ट्रिप, तोहफे और दूसरी सुविधाएं दे रहा था।

अमेरिका में खास मेहमान बने आम लोग: ट्रंप ने एक सैनिक की पत्नी, पहली कक्षा की बच्ची का किया जिक्र

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन में कुछ आम अमेरिकियों को खास जगह दी। उन्होंने अपनी नीतियों पर बात करने के दौरान एक छोटी बच्ची, एक सैनिक की पत्नी और एक कामकाजी महिला की कहानियों का सहारा लिया। ट्रंप ने इन मेहमानों के जरिए पिछली बाइडेन सरकार की नीतियों पर निशाना साधा और अपनी योजनाओं के फायदे गिनाए।

अवैध प्रवासी की वजह से घायल हुई बच्ची : ट्रंप ने सबसे पहले डालिला कोलमैन नाम की एक बच्ची का जिक्र किया। डालिला पहली कक्षा में पढ़ती है। वह एक भयानक कार एक्सीडेंट का शिकार हो गई थी। ट्रंप ने बताया कि यह एक्सीडेंट एक सेमी-ट्रक से हुआ था, जिसे एक गैर-कानूनी विदेशी चला रहा था। उस ड्राइवर के पास कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस (सीडीएल) था।

ट्रंप ने पिछली सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उस ड्राइवर ने साल 2022 में बॉर्डर पार किया था और बाइडेन प्रशासन ने उसे देश में आने दिया था। इस हादसे में डालिला को दिमाग में गहरी चोट (ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी) लगी है और उसे सेरेब्रल पाल्सी हो गया है। अब उसे पूरी जिंदगी देखभाल और थेरेपी की जरूरत होगी। डालिला और उनके पिता इस कार्यक्रम में ट्रंप के साथ मौजूद थे।

सैनिक की पत्नी और आईवीएफ की चर्चा : इसके बाद ट्रंप ने कैथरीन नाम की महिला का परिचय दिया। कैथरीन एक सैनिक की पत्नी हैं और पहले स्पेशल एजुकेशन टीचर रह चुकी हैं। वह अपने काम के साथ-साथ आईवीएफ एडवोकेट भी हैं। कैथरीन खुद पिछले पांच साल से ज्यादा समय से मां न बन पाने (इनफर्टिलिटी) की समस्या से जूझ रही हैं। ट्रंप ने अपनी हेल्थकेयर योजना का जिक्र करते हुए बताया कि कैथरीन फरवरी की शुरुआत में लॉन्च हुई ट्रम्प आरएक्स साइट का इस्तेमाल करने वाली पहली मरीज थीं।

टैक्स कटौती से परिवार को फायदा इसके साथ ही में ट्रंप ने मेगन हेमहॉसर की भी कहानी सुनाई। मेगन एक बारटेंडर हैं और रात में टेबल वेटर का काम भी करती हैं। इसके अलावा वह अपने दो बच्चों को घर पर ही पढ़ाती हैं। उनके पति भारी मशीनें (इक्विपमेंट) चलाते हैं और परिवार के लिए हर हफ्ते 10 से 15 घंटे ओवरटाइम करते हैं। ट्रंप ने अपनी आर्थिक नीतियों का हवाला देते हुए कहा कि 'वर्किंग फैमिलीज टैक्स कट्स' की वजह से मेगन के परिवार को बड़ा फायदा होगा। उन्हें हर साल 5,000 डॉलर से ज्यादा की एक्स्ट्रा बचत होगी। ट्रंप ने इन कहानियों के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की कि उनकी नीतियां आम अमेरिकी परिवारों की मदद कर रही हैं।

अमेरिका के न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर के टॉयलेट जाम

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान की तरफ बढ़ रहा अमेरिकी न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जेराल्ड फोर्ड एक अलग ही संकट से जूझ रहा है। जहाज के ज्यादातर टॉयलेट जाम हो चुके हैं। इससे 4,500 से ज्यादा नौसैनिकों को रोज 45 मिनट तक लाइन में लगना पड़ रहा है। संकरी पाइपलाइन और वैक्यूम-बेस्ड सिस्टम की डिजाइन में खामी के चलते टॉयलेट बार-बार जाम हो रहे हैं। जहाज वैक्यूम-बेस्ड सीवेज सिस्टम पर चलता है, जिसमें एक वाल्व खराब होने से पूरे डिपार्टमेंट का टॉयलेट सिस्टम बंद हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टेक्नीशियन और सैनिकों के बीच झड़प की भी खबर है, क्योंकि मरम्मत करने वाले इंजीनियर रोज लगभग 19 घंटे काम कर रहे हैं। पिछले साल मार्च में भी चार दिन में 205 टॉयलेट खराब होने की शिकायत सामने आई थी।

एयरक्राफ्ट पर 600 से ज्यादा टॉयलेट मौजूद : यूएसएस जेराल्ड फोर्ड 600 से ज्यादा मौजूद है, जो 10 अलग-अलग जोन में बंटे हैं। यह एयरक्राफ्ट कैरियर बीते आठ महीने से समुद्र में है, लगातार ऑपरेशनल मूवमेंट की वजह से रूटीन मेंटेनेंस नहीं हो पाया है। करीब 13 बिलियन डॉलर की लागत से बना यह युद्धपोत दुनिया का सबसे महंगा माना जाता है।

क्या है मुसीबत की वजह बना वैक्यूम-बेस्ड सिस्टम: सीवेज समस्या के पीछे जिस तकनीक का जिक्र हो रहा है, उसे वैक्यूम-बेस्ड वीसीएचटी सिस्टम कहा जाता है। यह आम घरों में इस्तेमाल होने वाले टॉयलेट सिस्टम से बिल्कुल अलग तरीके से काम करता है। वीसीएचटी का पूरा नाम वैक्यूम कलेक्शन, होल्डिंग एंड ट्रांसफर सिस्टम है। यह खास तरह का सीवेज मैनेजमेंट सिस्टम होता है, जो बड़े जहाजों और क्रूज शिप में लगाया जाता है। इसका मकसद कम पानी में टॉयलेट वेस्ट को इकट्ठा करना और सुरक्षित तरीके से स्टोर व ट्रांसफर करना होता है।

कैसे काम करता है : घर के टॉयलेट में फ्लश करने पर पानी के दबाव और गुरुत्वाकर्षण (ग्रैविटी) से गंदगी नीचे सीवर में चली जाती है। लेकिन समुद्र में चलने वाले जहाजों पर ऐसा सिस्टम पूरी तरह कारगर नहीं होता वीसीएचटी सिस्टम में फ्लश दबाते ही पाइप में वैक्यूम (सक्शन) बनता है। यह सक्शन गंदगी को खींचकर पाइप के जरिए एक बड़े टैंक तक पहुंचा देता है। बाद में उस वेस्ट को प्रोसेस या डिस्पोज किया जाता है। इसे ऐसे समझें जैसे वैक्यूम क्लीनर धूल को खींच लेता है। यहां भी वही तकनीक टॉयलेट सिस्टम में लागू होती है।

जहाजों में यह सिस्टम क्यों जरूरी : विमानवाहक पोत पर हजार से ज्यादा लोग महीनों तक समुद्र में रहते हैं। ऐसे में पानी सीमित होता है, जगह कम होती है। साथ ही पाइपलाइन सीधी नहीं, कई दिशा में जाती है। इसलिए कम पानी में काम करने वाला और लचीला सिस्टम लगाया जाता है। वीसीएचटी सिस्टम कम पानी में फ्लश कर देता है, जिससे पानी की बचत होती है। जेराल्ड आर. फोर्ड पिछले साल जून से लगातार समुद्र में तैनात है। आमतौर पर एयरक्राफ्ट कैरियर की तैनाती नौ महीने की होती है।

अमेरिका में बर्फीले तूफान से 11 हजार फ्लाइट रद्द, 153 साल में पहली बार अखबार नहीं छप सका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में भीषण तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण एयरपोर्ट पर रनवे बंद करने पड़े और कई जगह उड़ानों पर रोक लगानी पड़ी है। यहां रविवार से मंगलवार के बीच 11,055 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। सिर्फ सोमवार को ही करीब 5,600 से 5,700 उड़ानें कैंसिल हुईं, जो देशभर की उड़ानों का लगभग 20% था। यह जानकारी फ्लाइट ट्रैकिंग कंपनी फ्लाइटअवेयर ने दी। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, रोड आइलैंड और मैसाचुसेट्स के कुछ हिस्सों में लगभग 37 इंच तक बर्फ गिरी। बर्फबारी की वजह से उत्तर-पूर्वी राज्यों में 6 लाख से ज्यादा घरों की बिजली चली गई। सोमवार शाम तक 5 लाख 19 हजार 232 घर और ऑफिस बिना बिजली के थे। भारी बर्फबारी के कारण द बोस्टन ग्लोब अपने 153 साल के इतिहास में पहली बार अखबार नहीं छाप सका क्योंकि कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक नहीं पहुंच पाए।

बर्फबारी से कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित : न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में रविवार से सोमवार के बीच करीब 20 इंच बर्फ दर्ज की गई, जबकि लॉन्ग आइलैंड के इस्लिप इलाके में 22 इंच से ज्यादा बर्फ पड़ी। प्रोविडेंस, रोड आइलैंड में 32.8 इंच बर्फबारी हुई, जिसने 1978 के पुराने रिकॉर्ड 28.6 इंच को तोड़ दिया। हालात इतने खराब हो गए कि कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित करनी पड़ी। न्यूयॉर्क सिटी में स्कूलों, सड़कों, पुलों और हाईवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। बाद में हालात सुधरने पर मेयर जोहरान ममदानी ने यह आदेश हटा लिया और कहा कि स्कूल मंगलवार को खुलेंगे। वहीं मैसाचुसेट्स की गवर्नर मॉरा हीली ने कुछ इलाकों में ट्रैवल बैन लागू किया और लोगों से घर में रहने की अपील की। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने भी पूरे राज्य में ट्रैवल बैन लगा दिया। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने भी पूरे राज्य में इमरजेंसी की घोषणा की और नेशनल गार्ड को अलर्ट पर रखा है।

न्यूयॉर्क में ट्रेन सेवा भी सस्पेंड रही : तूफान का असर सिर्फ सड़कों और हवाई सेवाओं तक सीमित नहीं रहा। न्यूयॉर्क और बोस्टन के बीच ट्रेन सेवा सोमवार रात तक सस्पेंड रही। थिएटर ब्रॉडवे के सभी शो रविवार शाम रद्द कर दिए गए। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने कहा कि यह पिछले लगभग एक दशक का सबसे शक्तिशाली नॉरईस्टर तूफान है। कई इलाकों में प्रति घंटे 2 से 3 इंच तक बर्फ गिरने की चेतावनी दी गई है और हवा की रफ्तार कुछ जगह 110 मील प्रति घंटे तक पहुंच गई। नॉरईस्टर एक तरह का तेज तूफान होता है जो अमेरिका के पूर्वी तट पर आता है। इसे नॉरईस्टर इसलिए कहते हैं क्योंकि इसमें हवाएं आमतौर पर उत्तर-पूर्व (नॉर्थ-ईस्ट) दिशा से चलती हैं।

गर्म और नम हवा मिलकर बनाती है यह तूफान : अमेरिका के उत्तर-पूर्व में आने वाला यह विंटर स्टॉर्म इसलिए बनता है क्योंकि वहां मौसम की कुछ खास स्थितियां एकसाथ बन जाती हैं। सर्दियों में कनाडा की तरफ से बहुत ठंडी हवा नीचे की ओर आती है। उसी समय समुद्र की तरफ से हल्की गर्म और नम हवा ऊपर उठती है। जब ये दोनों आमने-सामने आती हैं तो मौसम अचानक बिगड़ जाता है और तेज बर्फीला तूफान बन जाता है। समुद्र भी इसमें बड़ी भूमिका निभाता है। अटलांटिक महासागर का पानी ठंड के मुकाबले थोड़ा गर्म रहता है। इससे हवा में नमी बढ़ती है। जब यह नमी ठंडी हवा से मिलती है तो भारी बर्फ गिरने लगती है। आसमान में तेज रफ्तार से चलने वाली हवाएं भी इस सिस्टम को और ताकत देती हैं। इन हवाओं को जेट स्ट्रीम कहते हैं। स्थिति इतनी गंभीर रही कि 153 साल के इतिहास में पहली बार 'द बोस्टन ग्लोब' अखबार का प्रिंट संस्करण प्रकाशित नहीं हो सका, क्योंकि भारी बर्फबारी के कारण कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक पहुंच ही नहीं पाए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झारखंड में दो बस आमने-सामने टकराई, कई यात्री घायल, कई गंभीर

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गोड्डा जिले के बोआरीजोर थाना क्षेत्र में गुरुवार अल सुबह दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें कई यात्री घायल हो गए। यह हादसा बांसभीट्ठा गांव के पास गुरुवार सुबह हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बसों का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर रूप से घायलों को रेफर किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर काफी भीषण थी। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में जनहानि नहीं हुई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगा रही है।

बिहार में बच्चा चोरी की अफवाहों पर सख्त नीतीश की पुलिस... आमजन से की ये खास अपील

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस ने बच्चा चोरी की अफवाहों से बढ़ते खतरे के मद्देनजर सभी जिलों के थानों को अलर्ट कर दिया है। पुलिस ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी बच्चे के गुम होने की सूचना मिलने पर तुरंत जांच की जाए। यदि कोई बच्चा 24 घंटे तक गुम रहता है, तब उसके मामले में केस दर्ज करना अनिवार्य है। पुलिस ने बताया कि पिछले दो दिनों में बच्चा चोरी के पांच मामले सामने आए, जिसमें मुजफ्फरपुर के दो और जमुई, पूर्णिया तथा नालंदा के एक-एक मामले शामिल थे। जांच में सभी मामले अफवाह साबित हुए। उन्होंने चेतावनी दी कि बच्चा चोरी की खबरें बहुत तेजी से फैलती हैं और भीड़ जुटने से मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, जिससे निर्दोष लोग भी प्रभावित हो सकते हैं। इस वर्ष अब तक राज्य में 14,699 गुमशुदगी के मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 12,526 बालिकाएं और 2,173 बालक शामिल हैं। पुलिस ने 7,772 बच्चों को बरामद कर लिया है, जबकि 6,927 बच्चे अभी भी गुम हैं। चार महीने तक बच्चे बरामद न होने पर मामला एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को ट्रांसफर कर दिया जाता है। यह यूनिट सभी जिलों में सक्रिय है और इसतरह के मामलों की विशेष निगरानी करती है। पुलिस के आला अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि बच्चा चोरी की किसी भी सूचना पर कानून अपने हाथ में न लें। ऐसी स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें और डायल-112 या नजदीकी थाने से संपर्क करें। जनता की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अफवाहों और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

बीजेपी ने पोस्टर लगाकर राहुल गांधी पर बोला हमला... अराजकता का तरीका एक, बस चेहरे बदलते रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में एआई समिट में हुए हंगामे पर भाजपा ने फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा ने राहुल गांधी की तुलना 2020 दंगे के आरोपी उमर खालिद से कर दिल्ली भाजपा ऑफिस के बाहर एक पोस्टर लगाया। इसमें लिखा कि अराजकता का तरीका एक, बस देश विरोधी चेहरे बदलते रहते हैं। पोस्टर में एक ओर उमर खालिद हैं जिसमें उमर को सीएए के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए दिखाया गया है। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी हैं उनके आगे शर्टलेस कार्यकर्ता की तस्वीरें जो एआई समिट का विरोध कर रहे हैं। ये पोस्टर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने लगवाए हैं। उधर एआई इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें मंगलवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब तक 8 गिरफ्तारी हो चुकी हैं।

बाबा विश्वनाथ के दर्शन को पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, शंकराचार्य विवाद पर बचते दिखे

वाराणसी (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। उन्होंने काशी के कोतवाल काल भैरव की भी पूजा-अर्चना की। दर्शन के पश्चात मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सौभाग्य से बाबा विश्वनाथ के दर्शन प्राप्त हुए हैं। मेरी यही कामना है कि बाबा सभी पर अपनी कृपा और आशीर्वाद की वर्षा करें। देश की जनता सुखी व निरोग रहे और सभी का कल्याण हो। एक वैभवशाली, समृद्धशाली और गौरवशाली भारत के निर्माण में हर नागरिक अपना योगदान दे और भारत पूरे विश्व को शांति का संदेश दे-बाबा के चरणों में यही प्रार्थना है। वहीं, शंकराचार्य से जुड़े मुद्दे पर पूछे गए सवाल को टालते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ राजनीति की कोई जगह नहीं है, वह केवल भक्ति के भाव में डूबे हैं। यहां भाजपा और कांग्रेस सभी बराबर हैं। मंदिर में दर्शन के उपरांत केंद्रीय मंत्री सीधे अराजीलाइन विकास खंड के शहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के लिए रवाना हो गए, जहाँ वे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के साथ बैठक करेंगे।

यूट्यूबर कोमाली ब्रेकअप के बाद तनाव में थीं, जांच के बाद पुलिस ने किया खुलासा

-हैदाराबाद में एक अपार्टमेंट में पंखे से लटकी मिली थी लाश, मां को किया था मैसेज

हैदराबाद (एजेंसी)। पार्ट-टाइम यूट्यूबर बोनू कोमाली ने खुदकुशी कर ली है। कोमाली मूल रूप से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम की रहने वाली थीं और पिछले 11 महीनों से हैदराबाद के एक अपार्टमेंट में अकेले रहकर बीएससी की पढ़ाई कर रही थीं। वह यूट्यूब पर अपनी लाइफस्टाइल से जुड़े वीडियो शेयर करती थीं। पुलिस जांच में सामने आया है कि खुदकुशी से ठीक पहले कोमाली का अपने बॉयफ्रेंड के साथ विवाद हुआ था। इसके बाद उन्होंने कुवैत में रह रही अपनी मां को आखिरी मैसेज भेजा, जिसमें लिखा था- आई लव यू मम्मी सो मच, छोटे भाई का ख्याल रखना। जब मां के फोन करने पर भी कोमाली ने कॉल नहीं उठाया, तो उन्होंने एक दोस्त को घर भेजा। वहां दरवाजा तोड़ने पर कोमाली का शव पंखे से लटका मिला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में कोमाली पिछले तीन साल से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ रिश्ते में थीं, जो खुद भी एक यूट्यूबर है। खबर है कि हाल ही में दोनों का ब्रेकअप हो गया था, जिसके कारण वह काफी तनाव में थीं।

पाठ्यपुस्तक में न्यायिक भ्रष्टाचार: सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद एनसीईआरटी ने मांगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा आठ की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित एक विवादास्पद अध्याय को लेकर सुप्रीम कोर्ट की भारी नाराजगी के बाद बिना शर्त माफी मांग ली है। शीर्ष अदालत द्वारा इस सामग्री को बेहद परेशान करने वाला और संविधान के बुनियादी ढांचे पर हमला करार दिए जाने के बाद परिषद पूरी तरह बैकफुट पर आ गई है। एनसीईआरटी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित अध्याय में अनुचित पाठ्य सामग्री और निर्णय की त्रुटि अनजाने में शामिल हो गई थी, जिसे अब उपयुक्त अधिकारियों के परामर्श से पूरी तरह से फिर से लिखा जाएगा। इस विवाद के बीच परिषद ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट से इस पुस्तक को हटा दिया है और इसकी प्रतियों का वितरण भी तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है।

इस संवेदनशील मामले का जन्म तब हुआ जब मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जस्टिस जोयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली शामिल थे, ने पाठ्यपुस्तक की सामग्री पर स्वतः संज्ञान लिया। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी द्वारा मामले की गंभीरता की ओर ध्यान दिलाए जाने के बाद अदालत ने इस पर तत्काल सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने के किसी भी प्रयास पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि संस्थान के प्रमुख के रूप में यह उनकी जिम्मेदारी है कि वह निष्पक्षता की रक्षा करें। उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए यहाँ तक कहा कि यह प्रकरण एक सोची-समझी चाल प्रतीत होती है, जिससे न केवल बार बल्कि बेंच के सदस्य भी अत्यंत चिंतित हैं। जस्टिस बागची ने इसे और अधिक गंभीर बताते हुए कहा कि ऐसी सामग्री विद्यार्थियों के मन में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति गलत धारणा पैदा करती है, जो सीधे तौर पर संविधान के मूल ढांचे के विरुद्ध है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कक्षा आठ के इस अध्याय में समाज में न्यायपालिका की भूमिका पर चर्चा के दौरान न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार जैसे संवेदनशील उपविषय को शामिल किया गया था। इसमें न्यायिक बुनियादी ढांचे की कमी और लंबित मामलों की चुनौतियों का भी जिक्र था, लेकिन प्रस्तुतीकरण के तरीके को अदालत ने अपमानजनक माना। विवाद बढ़ता देख एनसीईआरटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने सफाई देते हुए कहा कि उनका इरादा किसी भी संवैधानिक संस्था के अधिकार क्षेत्र को कमतर करने का कभी नहीं था। परिषद ने दोहराया कि वह न्यायपालिका को मौलिक अधिकारों के रक्षक के रूप में सर्वोच्च सम्मान देती है। अब इस सामग्री में सुधार किया जाएगा और संशोधित पाठ्यपुस्तक को शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत में छात्रों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। फिलहाल, पुराने स्टॉक को वापस लेने और डिजिटल प्लेटफॉर्म से सामग्री हटाने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

संघ की अहम बैठक में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन पहली बार करेंगे शिरकत

-इस बैठक से पहले बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में हो सकते हैं कुछ बड़े फेरबदल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की अहम बैठक अगले महीने हरियाणा के समालखा में आयोजित होने जा रही है। इस बैठक में भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पहली बार शिरकत करेंगे। जनवरी 2026 में बीजेपी की कमान संभालने के बाद नितिन नबीन का यह पहला आधिकारिक संघ दौरा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस बैठक से पहले बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में कुछ बड़े फेरबदल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है कि समालखा बैठक में बीजेपी के प्रतिनिधि मंडल में कई नए चेहरे देखने को मिल सकते हैं। यह बदलाव आगामी चुनावों और संगठन को नई ऊर्जा देने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। समालखा बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु संघ के शताब्दी वर्ष से संबंधित कार्यक्रमों की समीक्षा करना है। देश भर में चलाए गए अभियानों, गृह-संपर्क और शताब्दी निमित्त आयोजनों से प्राप्त अनुभवों को यहां साझा किया जाएगा। प्रतिनिधि सभा की इस बैठक में वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही आगामी वर्ष के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्ययोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा होगी। बैठक में सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव पारित होने की उम्मीद है। इस बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत संघ के सभी शीर्ष पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही बीजेपी समेत संघ से प्रेरित विभिन्न 32 संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी भी इस विचार-मंथन में हिस्सा लेंगे।

सुप्रिया सुले और संजय राऊत लोकसभा में उठाएंगे अजीत पवार की मौत का मामला

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार ने एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार के 28 जनवरी 2026 को हुए विमान हादसे की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग फिर उठा दी है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना को लेकर कई तरह की शंकाएं हैं और बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के पूरी जांच जरूरी है, लेकिन फिलहाल ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा। रोहित पवार ने कहा कि लोकसभा में सांसद सुप्रिया सुले और अमोल कोल्हे इस मामले पर आवाज उठाएंगे, जबकि राज्यसभा में वरिष्ठ शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत से भी इस मुद्दे को उठाने का आग्रह किया गया है। उन्हें इस संबंध में विस्तृत पत्र भी सौंपा गया है। उन्होंने हादसे से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा रोहित पवार केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक जांच पूरी नहीं होती, मंत्री को पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 28 जनवरी के घातक विमान हादसे में शामिल कंपनी वीएसआर को बचाने की कोशिश की गई। मुंबई स्थित विधान भवन में मीडिया से बातचीत में रोहित पवार ने जांच प्रक्रिया में समय सीमा और रिपोर्टों पर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि हादसे के दिन, जब अजित पवार का शव पोस्टमॉर्टम के लिए रखा गया था, उसी समय दोपहर 1-36 बजे डीजीसीए ने शुरुआती रिपोर्ट जारी कर दी। रोहित पवार ने कहा कि लापरवाही के कारण हमने एक बड़े नेता खो दिया, जो सिर्फ उपमुख्यमंत्री नहीं बल्कि जनता के दिलों के मुख्यमंत्री थे। अजित बारामती जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव के प्रचार के लिए बारामती जा रहे थे, तभी विमान रनवे पर लैंड करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में अजित पवार के अलावा चार अन्य लोगों की भी मौत हुई।

इत्र की फुहार से महकेगा बाबा श्याम का दरबार

एकादशी पर आज लाखों भक्त करेंगे बाबा का दीदार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, वीआईपी रोड स्थित श्रीश्याम मंदिर सुरतधाम में फाल्गुन माह के उपलक्ष में आयोजित तीन दिवसीय फाल्गुन मेले में शुक्रवार को एकादशी के अवसर पर लाखों भक्त बाबा श्याम का दीदार करेंगे। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर इत्र की फुहार से महकेगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम एवं सचिव राजेश दोदराजका ने बताया की इस अवसर पर मंदिर को बद्रीनाथ की थीम पर एवं बाबा श्याम के दरबार को तिरुपति की थीम पर सजाया गया है। सालासर दरबार, शिव परिवार सहित बाबा श्याम का देश विदेश से मंगवाए गए फूलों से अद्भुत श्रृंगार किया गया है। मेले में आने वाले सभी भक्तों के लिए श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा अनेकों व्यवस्थाएं की गई है। भक्तों का प्रवेश गेट नंबर चार से मेला ग्राउंड से होगा। दर्शन की लाइन में लगे सभी भक्तों के लिए पानी, ग्लूकोज़, कूलर, इत्र फुहार, बड़ी स्क्रीन पर लाइव अपडेट आदि की व्यवस्था रहेगी। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा फाल्गुन उत्सव के दौरान सुबह मंदिर प्रांगण पर सूरत की अनेकों धार्मिक संस्थाओं, सोसायटियों एवं परिवारों की निशान यात्रा आएगी। मेले में श्रद्धालुओ की किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो इसका पूरा ध्यान रखा गया है। ट्रस्ट द्वारा बुधवार को कार्यकर्ताओं के साथ मिटिंग कर सभी को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई।

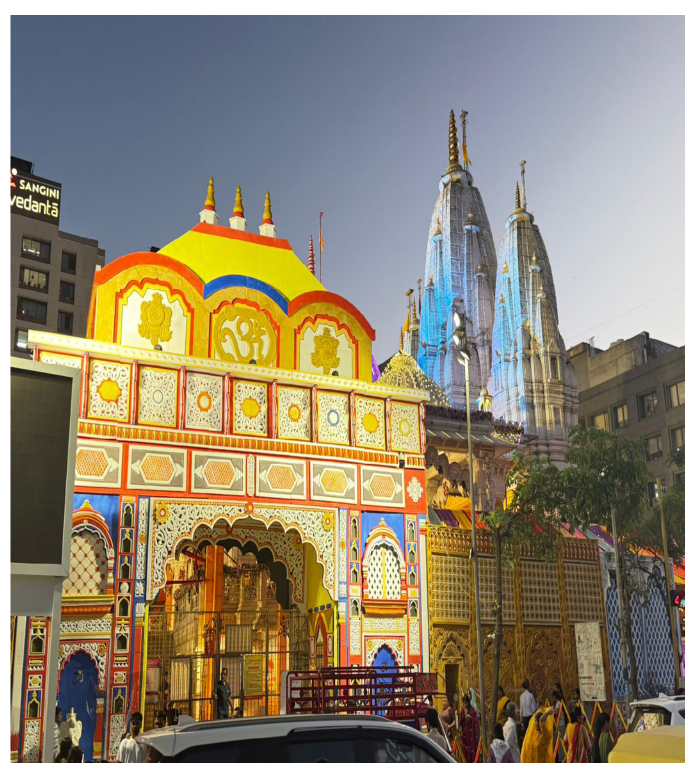

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने दिल्ली में ग्रीन टैक्स बंद करने की वकालत की, पूछा- करोड़ों की वसूली का क्या हुआ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली की सीमाओं पर वाणिज्यिक वाहनों से वसूले जाने वाले पर्यावरण मुआवजा शुल्क को तत्काल समाप्त करने की जोरदार वकालत की है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने इस कर की वसूली की सार्थकता और इसके तहत एकत्रित भारी-भरकम धनराशि के वास्तविक उपयोग पर कड़े सवालिया निशान खड़े किए हैं। उन्होंने दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उंगली उठाते हुए पूछा है कि वर्षों से पर्यावरण के नाम पर वसूले गए करोड़ों रुपये आखिर कहां खर्च किए गए।

गडकरी ने खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी। इस बैठक के दौरान उन्होंने निगम से यह स्पष्ट करने को कहा कि इस विशेष शुल्क से प्राप्त आय का हरित गतिविधियों या प्रदूषण कम करने वाली योजनाओं में कितना निवेश किया गया। उनके अनुसार, अधिकारियों ने स्वीकार किया कि पर्यावरण सुधार की दिशा में कोई ठोस योगदान नहीं दिया गया है। जब गडकरी ने इस टोल वसूली के औचित्य पर सवाल उठाया, तो अधिकारियों ने इसे सुप्रीम कोर्ट के पुराने आदेश का हिस्सा बताया। इस पर मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि इस धन का उपयोग निर्धारित लक्ष्यों के लिए नहीं हो रहा है, तो जनता और परिवहन क्षेत्र पर यह अतिरिक्त बोझ डालना अनुचित है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद दिल्ली में प्रवेश करने वाले भारी और वाणिज्यिक वाहनों पर ईसीसी लागू किया गया था। इसका मूल उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों को शहर के भीतर आने से हतोत्साहित करना और प्राप्त राशि का उपयोग सार्वजनिक परिवहन व पैदल यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने में करना था। हालांकि, गडकरी का दावा है कि उनके मंत्रालय की जांच में सामने आया है कि एकत्रित राशि का उपयोग प्रदूषण नियंत्रण के बजाय निगम की वित्तीय स्थिति को संभालने और वेतन जैसे खर्चों के लिए किया जा रहा है।

इस वित्तीय संकट का समाधान सुझाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि यह पैसा नगर निकाय को चलाने के लिए अनिवार्य है, तो दिल्ली सरकार को निगम को सीधे अनुदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे और सुप्रीम कोर्ट से इस पुराने आदेश पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे। गडकरी का यह रुख दिल्ली-एनसीआर के ट्रांसपोर्टरों के लिए बड़ी राहत की उम्मीद लेकर आया है। यदि यह शुल्क हटता है, तो इससे आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई लागत में कमी आएगी और अंतरराज्यीय व्यापार सुगम होगा। अब देखना यह है कि दिल्ली सरकार और न्यायालय पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सुगमता के इस द्वंद्व पर क्या निर्णय लेते हैं।

राज्यसभा चुनाव: महाराष्ट्र में एक सीट पर एमवीए में मच सकता है घमासान

-आदित्य ठाकरे ने ठोका दावा, शरद पवार की दावेदारी से कांग्रेस भी टेंशन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव में देशभर की 37 सीटों पर 16 मार्च को मतदान होना है, लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला महाराष्ट्र की सात सीटों को लेकर बन गया है। एनडीए जहां छह सीटें जीतती दिख रही है, वहीं एक सीट विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए प्रतिष्ठा और एकजुटता की परीक्षा बन गई है। एमवीए में शरद पवार की एनसीपी (एसपी), उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस शामिल हैं। मौजूदा विधानसभा गणित के मुताबिक तीनों दलों के पास मिलकर इतनी ताकत है कि वे एक उम्मीदवार को जिता सकते हैं, लेकिन इसके लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होगी। ऐसे में सीट किसे मिले यही सबसे बड़ा सवाल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने विधायकों की संख्या के आधार पर राज्यसभा सीट पर दावा ठोका है। पार्टी का तर्क है कि 2020 में उसने एनसीपी को समर्थन दिया था, इसलिए इस बार उसका हक बनता है। पार्टी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उन्हें दोबारा भेजने की मांग उठ रही है। वहीं कुछ नेताओं का मानना है कि खुद उद्धव ठाकरे को भी राज्यसभा भेजा जा सकता है।

दूसरी ओर शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है और एनसीपी (एसपी) उन्हें दोबारा सदन भेजने के पक्ष में है। उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने साफ कहा है कि पार्टी और कार्यकर्ता चाहते हैं कि शरद पवार ही फिर राज्यसभा जाएं। पार्टी नेताओं ने सहयोगी दलों से बातचीत के संकेत दिए हैं। यहीं से सियासी उलझन बढ़ जाती है। अगर सीट पवार को दी जाती है तो शिवसेना (यूबीटी) को पीछे हटना पड़ेगा। वहीं अगर शिवसेना को प्राथमिकता मिलती है तो एनसीपी (एसपी) में असंतोष की स्थिति बन सकती है।

कांग्रेस फिलहाल अपने पत्ते नहीं खोल रही है। पार्टी नेतृत्व गठबंधन की व्यापक रणनीति और संभावित भविष्य के समीकरणों को ध्यान में रखकर फैसला लेना चाहता है। कांग्रेस को एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित समीकरणों को लेकर भी सतर्कता है। माना जा रहा है कि कांग्रेस समर्थन के बदले विधान परिषद चुनावों में समायोजन चाहती है। इससे साफ है कि महाराष्ट्र की जो एक सीट सिर्फ राज्यसभा चुनाव नहीं, बल्कि महाविकास अघाड़ी के भीतर नेतृत्व, संतुलन और भविष्य की राजनीति का संकेत भी बनेगी। अब सबकी नजर गठबंधन की अगली बैठक और अंतिम फैसले पर टिकी हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सैनिकों के हक में सुनाया फैसला- लाइफस्टाइल डिसऑर्डर कहकर नहीं रोक सकते दिव्यांग पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि सशस्त्र बलों के कर्मियों की दिव्यांगता पेंशन सिर्फ यह कहकर रोकी नहीं जा सकती कि बीमारी ÷लाइफस्टाइल डिसऑर्डर÷ है या पीस एरिया (शांतिपूर्ण तैनाती) में हुई। हाईकोर्ट ने माना कि सेना में सेवा हर परिस्थिति में तनावपूर्ण होती है और इससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

हाईकोर्ट में जस्टिस वी. कामेश्वर राव और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) के उस आदेश को रद्द किया, जिसमें भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी की दिव्यांग पेंशन याचिका खारिज कर दी गई थी। याचिकाकर्ता उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और कोरोनरी आर्टरी डिजीज से पीड़ित हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि बीमारी फील्ड एरिया में हुई या पीस पोस्टिंग में। असली सवाल यह है कि क्या बीमारी का संबंध सेवा परिस्थितियों से है। इस केस में मेडिकल बोर्ड यह स्पष्ट नहीं कर सका कि अफसर की बीमारियां सेवा से जुड़ी नहीं थीं।

कोर्ट ने विशेष रूप से कहा कि बिना ठोस वजह के बीमारी को ÷लाइफस्टाइल डिसऑर्डर÷ कहना कानूनन सही नहीं। मेडिकल बोर्ड ने भी माना था कि बीमारियां अधिकारी की लापरवाही या गलत आदतों से नहीं हुई थीं। मोटापा, धूम्रपान या शराब से जुड़े तर्क खारिज कर दिए गए क्योंकि रिपोर्ट में इन्हें कारण नहीं बताया गया था।

एएफटी द्वारा वजन और लाइफस्टाइल के आधार पर निष्कर्ष निकालना और हृदय रोग को सिर्फ पिछले 14 दिनों की ड्यूटी से जोड़ना भी तर्कसंगत नहीं माना गया। कोर्ट ने साफ किया कि बीमारी का मूल्यांकन पूरी सेवा अवधि और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

40 साल की सेवा, 50 फीसद दिव्यांगता, अब पेंशन सुरक्षित

याचिकाकर्ता अफसर ने वायुसेना में 40 साल से अधिक सेवा दी और ज्वाइनिंग के समय पूरी तरह से फिट थे। उन्हें 1999 में हाइपरटेंशन और 2016 में गंभीर कोरोनरी आर्टरी डिजीज हुई, जिसके लिए ओपन-हार्ट सर्जरी करानी पड़ी। उनकी दिव्यांगता 50 फीसद आंकी गई थी, लेकिन पेंशन रोक दी गई थी। हाईकोर्ट ने याचिका मंजूर करते हुए अफसर को 50 प्रतिशत आजीवन दिव्यांग पेंशन देने का निर्देश दिया। साथ ही रिटायरमेंट की तारीख से बकाया भुगतान 8 सप्ताह के भीतर जारी करने और देरी होने पर 12 प्रतिशत सालाना ब्याज देने का आदेश भी दिया।